वर्ष : 17 ❖ अंक : 306 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 14 जून 2023

बजरंग दल बीजेपी के साथ, बजरंग बली हमारे साथ : भूपेश बघेल 3

सेबी का बड़ा ऐलान, सारदा समूह की 61 संपत्तियां होंगी नीलाम 8

भावी पीढ़ी को बेहतर सिक्किम सौंपना मेरा लक्ष्य : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 जून । सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट पार्टी अध्यक्ष तथा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने कहा कि भावी पीढ़ियों के लिए सिक्किम को बेहतर बनाकर उन्हें सौंपना ही उनका एकमात्र उद्देश्य है। उनके अनुसार, एसडीएफ ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसका सिद्धांत और उद्देश्य राज्यवासियों को अन्याय, अत्याचार, शोषण, उत्पीड़न और आतंक से मुक्त करके शांति एवं सुरक्षा प्रदान करना है। नामची-सिंगीथांग विधानसभा क्षेत्र के विधायक पवन चामलिंग ने आज समष्टि स्तरीय सामूहिक समन्वय बैठक में पार्टी पदाधिकारियों से यह बातें कहीं। इसके साथ ही उन्होंने अगले चुनाव में एसडीएफ के सत्ता में वापसी का दावा भी किया।

चामलिंग ने कहा कि सिक्किम को बचाने के लिए एसडीएफ पार्टी द्वारा शुरू किया गया 'सिक्किम बचाओ अभियान एक महान अभियान है और इस अभियान की जिम्मेदारी उठाने के लिए महान संघर्ष, प्रयास और बलिदान की आवश्यकता है।

साथ ही, उन्होंने कहा कि एसडीएफ एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसका सिद्धांत और उद्देश्य राज्यवासियों को अन्याय, अत्याचार, शोषण, उत्पीड़न एवं आतंक से मुक्ति दिलाते हुए शांति व सुरक्षा देना है। उनके अनुसार, सिक्किमवासियों को अन्याय, अत्याचार और आतंक के खिलाफ लड़ाई से नहीं डरना चाहिए।

एसडीएफ नेता ने 2024 के चुनाव को सिक्किम को बचाने और राज्यवासियों के अधिकारों की रक्षा करने का आखिरी मौका बताते हुए आगे कहा कि यह आने वाला चुनाव सिक्किम को मारने और बचाने के बीच होगा। यह चुनाव लोगों से यह राय लेने का चुनाव है कि सिक्किम को बचाना है या इसे खत्म करना है। इसके साथ ही उन्होंने नामची-सिंगीथांग समष्टि के पार्टी पदाधिकारियों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने हेतु आक्रामक और मजबूत बनाने का आह्वान किया। ऐसे में उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से अविलंब समष्टि के हरेक व्यक्ति तक पहुंचने का विशेष आग्रह किया।

चामलिंग ने कहा, 'दुनिया की कोई भी ताकत आगामी 2024 के चुनाव में एसडीएफ पार्टी को सरकार में आने से नहीं रोक सकती है, क्योंकि लोगों का फैसला अंतिम और सर्वोपरि है।' उन्होंने सिक्किम और यहां के लोगों की सुरक्षा और राज्य की शांति बनाए रखने हेतु पार्टी पदाधिकारियों से पार्टी के सिद्धांतों एवं दर्शन के अनुसार लड़ाई जारी रखने और सांगठनिक मजबूती का भी आह्वान किया। बैठक में एसडीएफ के विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की गई। इनमें सेवानिवृत्त सचिव डीके राई को समष्टि स्तरीय कार्यकारी समिति का सलाहकार, डेनियल राई को दक्षिण जिला कार्यकारी समिति का उपाध्यक्ष, रमेश राई को सीएलईसी अध्यक्ष, वर्षा मंगर को सचिव और श्रीमती टीका पांडे को दक्षिण जिला सोशल मीडिया प्रकोष्ठ का सचिव नियुक्त किया गया है। आज की बैठक में समष्टि के विभिन्न वार्डों के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव और विचार भी रखे।

मदर फीडिंग पॉड का मंत्री संजीत खरेल ने किया उद्घाटन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 जून । सिक्किम के सामाजिक न्याय व कल्याण तथा महिला व बाल विकास मंत्री संजीत खरेल ने आज स्थानीय एमजी मार्ग पर 'मातृशक्ति' नामक ममदर फीडिंग पॉड का उद्घाटन किया। इस ममदर फीडिंग पॉड को ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा स्थापित किया गया है। आज इसके उद्घाटन अवसर पर मंत्री के अलावा गंगटोक नगर निगम की डिप्टी मेयर छिरिंग पाल्देन भूटिया, डीसी तुषार निखारे एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर मंत्री खरेल ने कहा कि माताओं को अपने बच्चों को भोजन खिलाने एवं दुग्धपान करवाने में सहायता प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने इस नेक पहल की कल्पना की थी। इसमें सहयोग के लिए उन्होंने गंगटोक जिला प्रशासन एवं ग्लेनमार्क फाउंडेशन की प्रशंसा करते हुए विभिन्न स्थानों पर इसी तरह के और पॉड्स लगाने की सलाह दी।

गंगटोक नगर निगम की डिप्टी मेयर श्रीमती छिरिंग पाल्देन भूटिया ने यहां मुख्यमंत्री ने महिला प्रोत्साहन एवं सशक्तिकरण हेतु मुख्यमंत्री के अथक कार्य की जानकारी देते हुए आमा, बहिनी, वात्सल्य योजनाओं जैसी राज्य सरकार की अन्य महिला केंद्रित पहलों की सफलता पर भी प्रकाश डाला। इसके अलावा, उन्होंने मदर फीडिंग पॉड की इस उत्कृष्ट अवधारणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इसी तरह, जिलाधिकारीर तुषार निखारे ने भी मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन, ग्लेनमार्क फाउंडेशन के सहयोग एवं जिला प्रशासन के प्रयास से एमजी मार्ग पर मदर फीडिंग पॉड स्थापना को स्वीकार करते हुए कहा कि यह पॉड व्यस्त बाजार की भीड़भाड़ में भी माताओं को अपने बच्चों को स्तनपान कराने में मदद करेगा। साथ ही उन्होंने पॉड के नियमित रखरखाव, देखभाल और सफाई हेतु उसे गंगटोक नगर निगम को सौंपा।

कार्यक्रम में जीएमसी आयुक्त आरबी भंडारी, पार्षद संदीप मालू, एडीएम, सहायक कलेक्टर, एसडीएम, एडीसी विकास के अलावा ग्लेनमार्क फाउंडेशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

सीएम 22 से करेंगे गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र का दौर : लोकनाथ शर्मा

मधु शर्मा

गेजिंग, 13 जून । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के आगामी दौरे को लेकर आज गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के यांगसुम ग्राम प्रशासनिक केंद्र में जिलास्तरीय बैठक का आयोजन हुआ। क्षेत्रीय विधायक तथा राज्य के कृषि, पशुपालन, बागवानी एवं श्रम मंत्री लोकनाथ शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिला कलेक्टर यिशे डी योंग्दा, पशुपालन सलाहकार दुर्गा प्रसाद प्रधान, मिल्क यूनियन अध्यक्ष यम कुमार मिश्र, जिला व ग्राम पंचायत सदस्यों के अलावा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

बैठक की जानकारी देते हुए मंत्री शर्मा बताया कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) आगामी 22 एवं 23 जून को गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने वाले हैं। इसके पहले दिन वह यांगसुम के पीआर लामा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं पूर्व पंचायतों के सम्मान में तथा नवनिर्वाचित पंचायत सदस्यों के स्वागत के लिए आयोजित समारोह में शामिल होंगे। वहीं इसके अगले दिन 23 जून को मुख्यमंत्री बर्मेक मार्ताम में बनने जा रहे दुनिया के पहले ऐतिहासिक नैमाटी धरोहर केंद्र का शिलान्यास करेंगे।

आज की उक्त समीक्षा बैठक में समितियों एवं उपसमितियों का गठन कर सभी को उनकी जिम्मेदारी भी सौंपते हुए उनसे निर्धारित कार्यों को करने का अनुरोध किया गया।

उत्तम लाल ने एनएचपीसी के निदेशक (कार्मिक) का पदभार संभाला

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 जून । उत्तम लाल ने भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) का पदभार संभाला है। एनएचपीसी में अपनी नियुक्ति से पूर्व उत्तम लाल एनटीपीसी लिमिटेड में मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-सीएसआर/आरएंडआर/एलए) के पद पर सेवारत थे।

अपने क्षेत्र के विशुद्ध पेशेवर, श्री लाल के पास कार्मिक प्रबंधन, औद्योगिक संबंध और कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में 35वर्षों से अधिक का वृहद और प्रचुर अनुभव है। श्री लाल मानव संसाधन की क्षमता को संगठन के लक्ष्य और दृष्टि से समाहित करने के उद्देश्य (शेष पृष्ठ ०३ पर)

छठे यूथ मेन्स नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप का राज्यपाल आचार्य ने किया उद्घाटन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 जून । सिक्किम एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्ववधान में बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आज स्थानीय पालजोर स्टेडियम में छठे यूथ मेन्स नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप की शुरूआत हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने इसका उद्घाटन किया। 18 जून तक आयोजित होने वाली पांच दिवसीय चैंपियनशिप में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के 725 से अधिक मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं।

कहा- प्रतिभाशाली युवा मुक्केबाजों को मिलेगा मंच

उद्घाटन समारोह में राज्यपाल के अलावा राज्य के सहकारिता व ग्रामीण विकास मंत्री सोनम लामा, जोंगू विधायक पिंछो नामग्याल लेख्रचा, बीएफआई अध्यक्ष व आईबीए उपाध्यक्ष अजय सिंह, सेवानिवृत्त डीआईजी एवं एसएबीए पूर्व अध्यक्ष एसडी नेगी, एसओए अध्यक्ष एवं एसवाईए के सेवानिवृत्त सचिव कुबेर भंडारी के अलावा खेल व युवा मामले के सचिव राजू बस्नेत, राजभवन सचिव जेडी भूटिया, ओलंपियन व अर्जुन अवार्डी तथा एसएबीए अध्यक्ष जसलाल प्रधान समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सिक्किम में छठी यूथ मेन्स नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप के आयोजन पर खुशी व्यक्त करते हुए इसकी मेजबानी को राज्य के लिए गर्व की बात कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता प्रतिभाशाली युवा मुक्केबाजों को अपना कौशल प्रदर्शित करने हेतु एक मंच प्रदान करेगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में खेल बिरादरी के बढ़ावे हेतु लागू की गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बॉक्सिंग में मैरी कॉम और संध्या गुरुंग की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जिक्र किया। वहीं, उन्होंने उम्मीद जतयी कि यह आयोजन बॉक्सिंग क्षेत्र में और अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर सहकारिता और ग्रामीण विकास मंत्री सोनम लामा ने राज्य में आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने युवा मुक्केबाजों को इस अवसर को अपनाने और अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित करते हुए उनसे देश को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा खेल के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु खेल व युवा मामलों (शेष पृष्ठ ०३ पर)

'छोटी-छोटी दुकान बंद कर एक जगह आ जाना चाहिए'

विलय की बात पर बोले ललन सिंह- इसमें गलत क्या

पटना, 13 जून (का.सं.)। जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने महागठबंधन से रिश्ता तोड़ लिया है। जीतन राम मांझी के बेटे और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने नीतीश कैबिनेट के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद आज सुबह से ही राजधानी पटना में हलचल बनी रही। संतोष कुमार सुमन की तरफ से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को जेडीयू में विलय करने की बात कही गई। हालांकि उन्होंने यह बात नहीं कही कि जेडीयू में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के विलय का ऑफर उन्हें किसकी तरफ से दिया गया। उन्होंने नवभारत टाइम्स डॉट कॉम से बात करते हुए यह बात जरूर कहा कि उनके ऊपर पार्टी का विलय करने का दबाव था।

जब इस बारे में जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह से बात की तो उन्होंने कहा कि इसमें गलत क्या है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को उनकी तरफ से विलय का ऑफर दिया गया था। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव उन्होंने जीतन मांझी के सामने रखा था कि छोटी-छोटी दुकान बंद कर एक जगह आ जाना चाहिए। लेकिन उन्होंने यह बात नहीं मानी। संतोष कुमार सुमन के कैबिनेट से इस्तीफा देने पर बात करते हुए ललन सिंह ने कहा कि इस्तीफा देने के पीछे उन्होंने लेटर लिखकर यह बताया है कि वो निजी कारणों से कैबिनेट के मंत्री पद से इस्तीफा दे रहे हैं। इसके बाद उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है।

इसके पहले संतोष कुमार सुमन ने कहा कि जेडीयू की तरफ से उनकी पार्टी को ब्लैक कर विलय का ऑफर लगातार दिया जा रहा था। इसके लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा था। इससे तंग आकर उन्होंने नीतीश कुमार की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा अब अकेले संघर्ष करेगी।

नीतीश की इमेज ध्वस्त हो चुकी है, जनता 2024 में सिखाएगी सबक : आरसीपी सिंह

नालंदा, 13 जून (नि.सं.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता आरसीपी सिंह ने एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार में बार-बार चर्चा हो रही है कि 23 जून को विपक्षी एकता की बैठक बुलाई गई है। उसमें मांझी जी की पार्टी को आमंत्रित नहीं किया गया था। तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। बिहार में जो कहते हैं कि हम 7 दलों की सरकार चला रहे हैं। किस प्रकार की सरकार चल रही है आज सबको दिख गया। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश की इमेज अब ध्वस्त हो चुकी है।

आज इस्तीफा देने के बाद हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि अगर वे इस्तीफा नहीं देते तो उनकी पार्टी का अस्तित्व ही नहीं बचता। यह स्वागत योग्य कदम है। नीतीश कुमार 2020 के बाद लोजपा से एक विधायक बने उन्हें अपनी पार्टी में मिला लिया, बसपा से जो विधायक बने उन्हें अपनी पार्टी में मिला लिया। यह खतरे का एहसास हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को हुआ और उन्होंने नीतीश कैबिनेट से अपना इस्तीफा दे दिया। अगर कोई भी दल आपके साथ हैं आप उनका मान सम्मान नहीं करते हैं तो कोई भी दल आपके साथ कैसे रहेगा। उन्होंने यह बातें मंगलवार को नालंदा के रहूई प्रखण्ड के इतासंग गांव एक कार्यक्रम के दौरान कही।

आरसीपी सिंह ने कहा कि एक साथ बैठक कर चाय पी लेंगे, नाश्ता कर लेंगे वह एक अलग बात है। आखिर इस तरह के आयोजन करने की मंशा क्या है। बिहार में ही 7 दल जब साथ नहीं रह सके तो देश भर के नेता एक साथ कैसे आएंगे और उनका नेतृत्व कौन करेगा? आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में तकरार है। समाजवादी पार्टी की भी अलग राह है। ममता बनर्जी भी कांग्रेस से दूरी बना कर रहती हैं। जदयू के लोग अब कह रहे हैं कि हमारे नेता प्रधानमंत्री की रेस में नहीं है। एक कहावत बचपन मे सुने होंगे की लोमड़ी को जब अंगूर नहीं मिलता है तो वह कहता है अंगूर खट्ठे हैं।

आरसीपी सिंह ने कहा बिहार में समस्याओं का अंबार है। जिसका निराकरण करने के लिए सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। बिहार में बेरोजगारी की समस्या है। बिहार में बाढ़ की समस्या है। जिसका परमानेंट निराकरण तो नीतीश सरकार ने किया ही नहीं है। आज भी बिहार में उद्योग लगाना सबसे कठिन कार्य है।

आरसीपी सिंह ने आगे कहा कि जदयू के जितने कार्यकर्ता हैं। सभी हतोत्साहित हैं, उनका मनोबल गिरा हुआ है। नीतीश कुमार सुशासन और विकास की बात करते थे। जो पुल गिरा उसके बाद क्या कहा जाए। सारी की सारी इमेज ध्वस्त हो गई है। कोई भी क्षेत्र ले लीजिए, कोई भी दफ्तर चले जाइए। नीतीश कुमार की पूरी राजनीति आरजेडी के खिलाफ थी और तब वहां पर आए थे और अब उन्हीं की गोद में नीतीश कुमार बैठ गए हैं। जो उस पार्टी के लोग थे जिन्होंने इतने वर्षों तक संघर्ष किया। इतनी कुर्बानिया दी उन्हें कैसा लग रहा होगा। जदयू पार्टी का मोरल नीचे हो गया। आरसीपी सिंह ने कहा कि 2024 में जदयू का पत्ता साफ हो जाएगा।

महागठबंधन मंत्रिमंडल से संतोष मांझी ने दिया इस्तीफा, माथापच्ची के बाद नीतीश ने दी मंजूरी

पटना, 13 जून (का.सं.)। विपक्षी एकता के लिए 23 जून को पटना में होने वाली बैठक से पहले बिहार की नीतीश कुमार सरकार को जोर का झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बेटे और हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के इकलौते मंत्री संतोष मांझी ने इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे से पहले अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री की वित्त मंत्री से लंबी बातचीत हुई। पांच घंटे तक माथापच्ची के बाद बिहार कैबिनेट की पूर्व निर्धारित बैठक से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संतोष कुमार सुमन उर्फ संतोष मांझी का इस्तीफा स्वीकार कर राज्यपाल को भेज दिया।

इधर, मंत्रीमंडल से इस्तीफ देने के बाद संतोष सुमन ने कहा कि हम को विपक्षी एकता के लिए बुलावा नहीं मिला, क्योंकि जदयू हमारी पूरी पार्टी का विलय चाहती थी। पार्टी के रूप में हमारी पहचान पर सवाल था, इसलिए 'हम' रूपी घर तोड़ने के जगह सरकार से निकलना ही अंतिम विकल्प था। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए हमलोग खूब मेहनत कर रहे हैं, ऐसे में इस तरह का विकल्प चुनना संभव नहीं था।

बातचीत में इस बात पर भी नाराजगी जताई गई कि विपक्षी एकता के नाम पर 23 जून को पटना में हो रही बड़ी बैठक से हम को दूर रखा गया है। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने खुलकर स्वीकार किया था कि उन्हें विपक्षी एकता के नाम पर पटना में होने वाली बैठक के लिए बुलावा नहीं मिला है। कुछ दिनों पहले तक मांझी लगातार यह कह रहे थे कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साथ नहीं छोड़ेंगे, लेकिन संतोष मांझी का यह कदम साफ कर रहा है कि जीतनराम अपनी बात पर कायम नहीं रह सके।

संतोष मांझी के इस्तीफा देने से एक दिन पहले ही उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में हमारी पार्टी एक भी सीट पर चुनाव नहीं लड़ेगी। मीडियाकर्मियों ने उनके पूछा कि आप मजाक तो नहीं कर रहें? जवाब देते हुए मांझी ने कहा कि आपको जो समझना है समझिए लेकिन हमारी पार्टी एक भी सीट पर लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी।

'संतोष मांझी का इस्तीफा... मतलब महागठबंधन टूट के कगार पर'

अहंकार के कारण दरभंगा एम्स हुआ वापस : सुशील मोदी

मोतिहारी, 13 जून (नि.सं.)। मंत्री संतोष माझी का इस्तीफा नीतीश कुमार और महागठबंधन में टूट की शुरुआत है। विपक्षी दल पहले बैठक तो कर लें, लगातार उसका डेट बढ़ रहा है। अभी बैठक के दस दिन बचे हैं। देखिए आगे होता है क्या।

उक्त बातें एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने मोतिहारी पहुंचे बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी ने कही हैं। विपक्षी एकजुटता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनका इस्तीफा विपक्षी दलों की बैठक के पहले एक बड़ा झटका है। नीतीश कुमार की ये अंतिम पारी है।

उन्होंने कहा कि इस इस्तीफे से विपक्षी दलों की कथित एकता धराशायी होती नजर आ रही है। रामविलास पासवान की मौत के बाद जीतन राम मांझी दलितों के बड़े नेता है। उनकी बैठक से पहले संतोष मांझी का मंत्री पद से इस्तीफा देना ये दर्शाता है कि अब उनकी पार्टी का कोई अस्तित्व नही रह गया है। यही नीतीश कुमार की पार्टी 110 विधायको की पार्टी थी, आज 44 पर आ गई है। नीतीश कुमार की लड़खड़ाती पारी को देख लोग उनसे भाग रहे हैं और उनके कई सांसद भाजपा का दरवाजा खटखटा रहे हैं।

दरभंगा एम्स के मुद्दे पर भी नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस मुद्दे पर वे सफेद झूठ बोल रहे हैं। ये एम्स उनके अहंकार की भेंट चढ़ गई है। अब वहां कोई निर्माण नही हो सकता है, क्योंकि उन्होंने जो जमीन उपलब्ध करवाया था, वह किसी काम का नहीं है। कम से कम बीस से तीस फीट तक गहरा है और ऐसा उन्होंने इसलिए किया है कि इसका श्रेय नरेंद्र मोदी को नहीं मिल सके। जबकि केंद्र सरकार ने बिहार को ये स्पेशल तोहफा दिया था कि बिहार में एक नहीं, बल्कि दो-दो एम्स बने। लेकिन ये भी उनकी घमंड की भेंट चढ़ गया। उन्होंने कहा कि ये राजद और नीतीश की लड़ाई का नतीजा है कि आज ये एम्स नहीं बन पाया। मोतिहारी में बनने वाले महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यायल के जमीन अधिग्रहण पर भी सवाल उठाते हुए नीतीश कुमार पर निशाना साधा। कहा कि नीतीश कुमार आज तक एक विश्वविद्यायल के लिए जमीन उपलब्ध नहीं करा सके। इससे आप समझ सकते हैं कि नीतीश कुमार बिहार के लिए क्या सोच रहे हैं।

बिहार में विधायकों का फंड बढ़ा, डीएमसीच में बनेगा 2100 बेड वाला अस्पताल

पटना, 13 जून (का.सं.)। दरभंगा में बनने वाले एम्स को लेकर शुरू हुए विवाद के बीच सीएम नीतीश कुमार ने दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक नए हॉस्पिटल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। के अंदर बनने वाला ये अस्पताल 2100 बेड वाला होगा। इसके निर्माण में करीब 2546.41 करोड़ रुपये की लागत आएगी। आज मंगलवार को पटना में सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 12 प्रस्तावों पर मुहर लगी। आज बिहार कैबिनेट से पास हुए प्रस्ताव के बाद विधायक निधि बढ़ाए जाने पर भी फैसला हुआ। विधायकों को अब विकास कार्यों के लिए तीन की जगह 4 करोड़ मिलेंगे। इस मद के लिए 318 करोड़ स्वीकृत किया गया है।

वहीं नीतीश कुमार ने सोमवार को एक विभाग के नाम बदलने की बात कही थी। आज इसका प्रस्ताव भी कैबिनेट बैठक में लाया गया। इस प्रस्ताव को पास कर दिया गया है। इसके बाद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को अब विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के नाम से जाना जाएगा। वहीं राज्य के दक्षिण बिहार और उत्तर बिहार के कुल 61.05 किलोमीटर रोड की लंबाई के चौड़ीकरण और मजबूती के काम को भी मंजूदी दी है। इस काम के लिए कैबिनेट से 234 करोड़ 30 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है।

आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय पार्ट-2 के तहत दरभंगा के शहरी क्षेत्र से जल निकासी के लिए सरकार ने 2 सौ 45 करोड़ 20 लाख रुपये की ड्रेनेज सिस्टम योजनाको मंजूरी दी है। वहीं दो जिलों के 3 लेवल क्रासिंग के बदले आरओबी निर्माण के लिए 149 करोड़ 21 लाख 13 हजार 623 रुपये मंजूर किए हैं।

विपक्षी दलों की बैठक 23 नहीं... 25 जून को हो, इससे इमरजेंसी की आएगी याद : संजय जायसवाल

पटना, 13 जून (का.सं.)। पटना में होने वाली विपक्षी एकता की बैठक को लेकर भाजपा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगातार हमलावर है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने मंगलवार विपक्षी दलों की 23 जून को होने वाली बैठक 25 जून को करें, ताकि बैठक के दौरान इमरजेंसी की याद आए। 25 जून को ही इंदिरा गांधी ने पूरे देश में इमरजेंसी लगा दी थी

बीजेपी सांसद ने कहा कि नीतीश कुमार कांग्रेस के आगे नतमस्तक हैं। वहीं, जेपी के चेले लालू प्रसाद यादव भी कांग्रेस के पीछे-पीछे चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल में पिछड़ों का आरक्षण छीन कर मुसलमानों में बांटा जा रहा है।

संजय जायसवाल ने कहा कि पिछड़ों को आरक्षण का लाभ सही तरीके से नहीं मिलें। इसलिए नीतीश कुमार ने कृषि की कमाई को जोड़ दिया है। इसका खुलासा नरेंद्र मोदी की ओर से बनाए गए ओबीसी आयोग से हुआ। राष्ट्रीय जनता दल ने इस आयोग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि कानून में स्पष्ट है कि सैलरी और कृषि आमदनी को नहीं जोड़ना है।

संजय जायसवाल ने कहा कि कुर्मी समाज के बड़े तबके को महतो के बदले छोटा नागपुर कहकर आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव ने माना कि कुर्मी समाज में गलती से छोटा नागपुर लिखा जा रहा है। नीतीश कुमार पिछड़ों, अतिपिछड़ों और कुर्मी समाज को धोखा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सभी पिछड़े समाज को कृषि इनकम को सैलरी इनकम के साथ जोड़ कर क्रीमी लेयर का सर्टिफिकेट छीना जा रहा है। ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और लालू यादव तीनों की मानसिकता एक ही हैं।

संजय जायसवाल ने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल में पिछड़े हिंदू का आरक्षण साजिश के तहत खत्म किया जा रहा है। बंगाल में स्थिति यह है कि 81 अति पिछड़ों में से 73 केवल मुस्लिम समाज के हैं। यहीं काम नीतीश कुमार लगातार बिहार में कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार ने शेख को शेखरा कहकर अति पिछड़ा का आरक्षण दे दिया है। कुल्हरिया को शहाबुद्दीन की वजह से अति पिछड़ा में शामिल कर दिया गया। मल्लिक समाज को भी अति पिछड़ा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि धानुक, बढ़ई आदि का हिस्सा छीन कर अल्पसंख्यक समाज को दिया गया है।

संजय जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार नहीं चाहते दरभंगा में एम्स बने। महागठबंधन के सभी सांसदों ने लिखकर दिया कि दरभंगा में नहीं, सहरसा में एम्स बने। एम्स के लिए नीतीश कुमार ने ऐसी जमीन दी, जिस पर कांग्रेस के प्रेमचंद मिश्रा ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को बिहार की जनता से दुश्मनी हो गई है।

हम बिहार फाउंडेशन को भी बेहतर कर रहे : तेजस्वी

पटना, 13 जून (का.सं.)। उप मुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार मूल के भारतीय विदेश सेवा के 6 पदाधिकारियों का सर्कुलर रोड स्थित आवास पर स्वागत किया।

तेजस्वी ने कहा कि भारतीय विदेश सेवा से जुड़े आप सभी पदाधिकारी मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले हैं। इस कारण आप लोग बिहार से अपनी बॉन्डिंग को और मजबूत करते हुए ब्रांड बिहार को बेहतर करने में अपना योगदान दें। हम बिहार फाउंडेशन को भी बेहतर कर रहे हैं।

गंगा रिवर फ्रंट को हम इंटरनेशनल लेवल के टूरिस्ट स्पॉट के रूप में डेवलप कर रहे हैं, जहां पर कल्चरल जोन से लेकर प्ले जोन और स्पोर्ट्स जोन भी रहेंगे। पर्यटन सचिव अभय कुमार सिंह ने बिहार टूरिज्म की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि सरकार बुद्ध सर्किट, जैन सर्किट, रामायण सर्किट, सूफी सर्किट के साथ-साथ इको टूरिज्म सर्किट और गांधी सर्किट को बेहतर कर रही है। हम बिहार में जल्द ही दक्षिण एशिया के महत्वपूर्ण देशों के लिए एग्जीबिशन और ट्रिख्नस आयोजित करने की योजना बना रहे हैं जिसमें दुनिया भर से पर्यटकों को बिहार आने के लिए आकर्षित कर सकेंगे।

भारतीय विदेश सेवा के अफसरों की टीम में काठमांडू में

'डेवलप हो रहा टूरिस्ट स्पॉट गंगा रिवर फ्रंट'

कार्यरत भागलपुर के नवीन कुमार, बीरगंज नेपाल में सेवारत सहरसा के नितेश कुमार, बांग्लादेश में सेवा दे रहे पूर्णिया के मनोज कुमार, इस्लामाबाद में कार्यरत मधुबनी के गौरव ठाकुर, भारतीय विदेश सेवा के मुख्यालय नई दिल्ली में सेवारत पटना के सुनील कुमार, बांग्लादेश में सेवा दे रहे गया के डॉ राजीव रंजन शामिल थे। इन सभी अफसरों को पटना के तख्त हरिमंदिर पटना साहिब और बिहार म्यूजियम का भ्रमण कराया गया है।

भ्रष्टाचार में लिप्त हर पार्टी पीएम मोदी को रोकने के लिए साथ आने की कर रही कोशिश : कैलाश चौधरी

किशनगंज, 13 जून (नि.सं.)। आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भ्रष्टाचार में लिप्त हर पार्टी एक मंच पर आने का प्रयास कर रही है, ताकि नरेन्द्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनने से रोका जा सके, लेकिन देश की जनता केंद्र में मोदी सरकार के पक्ष में हैं।

इसमें व्यवसायियों की भी अहम भूमिका है। वे सिर्फ मतदाता ही नहीं, बल्कि उनके संसर्ग में रहे ग्राहकों के साथ अपने अधीनस्थ कार्यरत कर्मियों को भी वोट के रूप में तब्दील कर सकते हैं।

भारत को विश्व गुरु व आर्थिक रूप से पहले स्थान पर लाने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रयासरत हैं। विश्व के अन्य राष्ट्रीय अध्यक्ष जिस प्रकार भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मान दे रहे हैं, वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व गुरु के रूप में स्थापित हो जाएगा।

नरेन्द्र मोदी के नौ साल बेमिसाल को लेकर किशनगंज लोकसभा प्रवास के पर आये केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी मंगलवार को बहादुरगंज के व्यवसायियों के साथ बैठक के दौरान यह बातें कहीं।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने नौ साल के शासनकाल में देश का जिस प्रकार सम्मान बढ़ाया है, वह किसी से छुपी हुई नहीं है। उन्होंने देश में ऐसे ऐसे कार्य किये हैं, जो कभी कोई प्रधानमंत्री सोच ही नहीं सकता।

स्वयं सत्यापन करने की सुविधा, जीएसटी लाकर व्यापारियों को आयकर पदाधिकारियों से परेशान होने से बचाया, बुलेट ट्रेन, कोरोना काल में देश निर्मित टीका का प्रयोग कर दूसरे देश में भी निर्यात किए। वहीं, आज भारत दूसरे देश में भी हथियार निर्यात करने में लगा है।

भारत की अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से 5वें स्थान पर आ गया है। देश आत्मनिर्भर बना है। ऐसे अनेकों कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है, जो इतिहास के पन्ने में दर्ज हो गए हैं।

आपदा के कारण न जाए किसी की जान, इसी लक्ष्य को लेकर सरकार कर रही है काम : अमित शाह

नई दिल्ली, 13 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन मंत्रियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आपदा के कारण होने वाली मृत्यु की संख्या को जीरो तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ काम करने का दावा करते हुए कहा है कि आपदा प्रबंधन में विगत 9 वर्षों में केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ मिलकर काफी उपलब्धियां प्राप्त की हैं लेकिन हम इन उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते क्योंकि आपदाएं लगातार अपना स्वरूप बदल रही हैं और इसकी तीव्रता भी बढ़ रही है। उन्होंने नए क्षेत्रों में आ रहे बाढ़ और नए स्थानों पर लू के थपेड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि इन चुनौतियों के मद्देनजर हम सबको भी अपनी तैयारियों को और व्यापक और पैना करते रहना होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन मंत्रियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए आगे यह भी कहा कि, हमारे देश में आपदा प्रबंधन कोई नई कल्पना नहीं है।

चाणक्य के अर्थशास्त्र से लेकर पौराणिक समय के राज्य प्रशासन के जितने भी दस्तावेज उपलब्ध हैं उन सभी में आपदा प्रबंधन की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि कोविड के संकट काल के समय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ मिलकर देश सदी की सबसे भीषण महामारी का सामना करके उससे बाहर निकला।उस कठिन समय में सभी मोचरें पर केंद्र, राज्य और जनता तीनों ने मिलकर आपदा के खिलाफ कैसे लड़ाई लड़ी जा सकती है उसका एक उत्कृष्ट उदाहरण दुनिया के सामने रखा। 220 करोड़ से

ज्यादा टीका लगाना,लाखों की संख्या में गरीबों को अपने गृह राज्य में पहुंचाना, कोई भूखा न सोए इसे सुनिश्चित करना और डीबीटी के माध्यम से लोगों की सीधी मदद करना, यह सब हमने करके दिखाया।

शाह ने आपदा को लेकर बदल रही सोच का जिक्र करते हुए कहा कि, पहले आपदा को लेकर हमारा ऑष्टिकोण राहत केंद्रित व रिएक्शनरी था। हम केवल राहत और पुनर्वास की चिंता करते थे। लेकिन पिछले 9 साल के अंदर अर्ली वार्निंग सिस्टम, प्रिवेंशन, मिटिगेशन और पूर्व तैयारी आधारित आपदा प्रबंधन को हम सभी ने मिलकर जमीन पर उतारा है और एक साथ रखा है। 350 आपदा संभावित जिलों में आपदा मित्र योजना के तहत एक लाख युवा वॉलेंटीयर्स को तैयार किया जा रहा है। इससे अब तक अनेक आपदा की घटनाओं में अच्छे परिणाम मिले हैं जो सकारात्मक व उत्साहवर्धक हैं।

शाह ने पिछले चार सालों में प्रोएक्टिव तरीके से केंद्र द्वारा राज्यों को मदद करने के लिए कदम उठाने के बारे में तथ्यों और आंकड़ों के साथ अपनी बात रखते हुए सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से भी आपदा प्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्तावों को जल्द से जल्द मंजूरी देने और अपनाने का आग्रह भी किया। उन्होंने तमाम मंत्रियों को यह आश्वासन भी दिया कि उन लोगों ने रिकॉर्ड स्तर पर जो अपना बयान रखा है, उसका उनका विभाग बिंदुवार अध्यन कर राज्यों को प्रतिक्रिया देगा। इस पर आने वाले समय में क्या-क्या कार्यवाही हो सकती है, इस पर भी चर्चा की जाएगी।

बजरंग दल बीजेपी के साथ, बजरंग बली हमारे साथ : सीएम भूपेश बघेल

रायपुर 13 जून (एजेन्सी)। मंत्री मोहम्मद अकबर के बाद आज मंगलवार को छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने भी केंद्र की मोदी सरकार को घेरा है। धान खरीदी पर सीएम ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि बीजेपी का चरित्र झूठ बोलने में है। उन्हें झूठ बोलने का प्रैक्टिस है। सीखकर आए हैं।

एक झूठ को सौ बार बोलते हैं। एक झूठ को सौ बार बोलो तो सच महसूस होता है, लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता जानती है। यदि केंद्र सरकार अनुदान देती तो रमन सिंह 10 क्विंटल धान क्यों खरीदते।

उन्होंने कहा कि सेंट्रल गवर्नमेंट केवल हरियाणा और पंजाब में एफसीआई के माध्यम से धान खरीदती है। एफसीआई केवल चावल लेती है। यदि ऐसा है तो केंद्र सरकार एफसीआई के माध्यम से धान की खरीदी कर लें नहीं तो 3 साल पहले हमें धान की नीलामी क्यों करनी पड़ी। जो हम कम रेट में बेचे। 1900 का भाव था, हमने

1300 में बेचा तो उसका अंतर केंद्र सरकार ने नहीं दिया। घाटा राज्य सरकार ने उठाया। आप चावल खरीदो चाहे मत खरीदो। हम किसान का धान खरीदना नहीं बंद करेंगे। ये बात हमने उस समय भी कही थी।

सीएम ने कहा कि चावल केवल केंद्र सरकार ही नहीं खरीदी है। राज्य सरकार भी खरीदती है। नागरिक आपूर्ति निगम में चावल किसका है, राज्य सरकार का है। केंद्र सरकार एक परिवार को केवल 5 किलो चावल देती है। हम 35 किलो चावल दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने 3-4 सालों में पीडीएस सिस्टम में 5000 करोड़ का अनुदान दे चुकी है। जो डिफरेंट का रेट है, वह राज्य सरकार देती है। ये बीजेपी की दूसरी झूठ है। झूठ फैलाकर गुमराह करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से उन्होंने अनुरोध किया कि वे बस बिलासपुर में उड़ान चालू करवा दें।

हरियाणा के सभी गांवों में बनाए जाएंगे आपदा मित्र : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 13 जून (एजेन्सी)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश के सभी गाँवों में आपदा मित्र बनाए जाएंगे जो कि आपदा के समय वालंटियर के तौर पर कार्य करेंगे, जल्द ही इनका रजिस्ट्रेशन करने के लिए पोर्टल आरंभ किया जाएगा। यह जानकारी डिप्टी सी.एम., जिनके पास राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग का प्रभार भी है, ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित सभी राज्यों के आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्रियों की बैठक में शिरकत करने के बाद दी। बैठक में उपमुख्यमंत्री के साथ आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश खुल्लर भी शामिल हुए।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि वर्ष 2014 में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को आपदा प्रबंधन से संबंधित एक मैनुअल भेजा था जिसमें विभिन्न ड्क्षबदु शामिल थे, इन ड्क्षबदुओं पर हरियाणा सरकार ने काफी काम किया है, फिर भी जो बचा हुआ काम है उसको दिसम्बर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा प्रबंधन बोर्ड द्वारा जिला से लेकर ग्राम स्तर तक कमेटियां बनाई जाएंगी। इस वर्ष बाढ़ और सूखे जैसी संभावित आपदा के समय राहत देने के लिए 1,100 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं, जबकि पिछले वर्षों में 500 करोड़ और 300 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का प्रावधान किया गया था। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में बारिश के कारण पानी भरता है, उसकी निकासी तथा नहरों आदि में पानी डालने के लिए भी योजना बनाई जा रही है ताकि न तो फसलों को नुकसान हो और न ही अन्य जान-माल का नुकसान हो।

दुष्यंत चौटाला ने जानकारी दी कि राज्य सरकार द्वारा संभावित आपदा से पूर्व मोबाइल आदि के माध्यम से मैसेज भेज कर सचेत किया जा रहा है। इस वर्ष भी प्रदेश के लोगों को भारी बरसात, तेज आंधी आदि से संबंधित मैसेज एडवांस में भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने आज जानकारी दी कि आसमानी बिजली गिरने से होने वाली आगजनी का पूर्वानुमान लगाने वाली तकनीक का ईजाद हो गया है, हरियाणा सरकार भी प्रदेश में जल्द ही इस तकनीक को लागू करने जा रही है जिससे लोगों को जान माल की हानि होने से बचाया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की ओर से मीटिंग में गृह मंत्री से अनुरोध किया गया है कि हिसार में नैशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एन.डी.आर.एफ.) की एक बटालियन स्थापित की जाए ताकि किसी आपदा के समय तुरंत सहायता पहुंच सके। गोरखपुर में न्यूक्लीअर पावर प्लांट है, पानीपत और भटिंडा में ऑइल रिफाइनरीज और हिसार में एयरपोर्ट हैं, ऐसे में यहां बटालियन स्थापित होनी चाहिए। हरियाणा सरकार ने आई.आर.बी. के 260 जवानों को नैशनल डाइजेस्टर रिलीफ फोर्स की ट्रेड्क्षनग भी दी है। दुष्यंत चौटाला ने बताया कि उन्होंने केंद्र सरकार से चंडीगढ़ में हरियाणा, पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश के लिए संयुक्त रूप से कमांड -सैंटर बनाया जाना चाहिए ताकि कांगड़ा -सेस्मिक बैल्ट में आने वाले भूकंप का पूर्वानुमान लगाया जा सके।

दिल्ली पुलिस ने धर्मांतरण रैकेट का पर्दाफाश किया, इस्लाम कबूल करने पर मिलेगी सरकारी नौकरी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 13 जून (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी के तुर्कम गेट इलाके में स्थित एक आश्रय गृह के भीतर चल रहे एक बड़े धर्मांतरण रैकेट का पर्दाफाश किया है। आश्रय गृह के केयरटेकर संदीप सागर द्वारा दायर शिकायत के बाद मुख्य आरोपी मोहम्मद कलीम बी.टेक स्नातक है, जिसे 9 जून को गिरफ्तार किया गया था।

सागर ने आरोप लगाया कि कलीम उस पर इस्लाम कबूल करने का दबाव बना रहा था, सरकारी नौकरी और वित्तीय प्रोत्साहन जैसे प्रलोभन दे रहा था। जांच ने एक नया मोड़ ले लिया है क्योंकि पुलिस दल अब कलीम के फोन रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं, यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या उसे कोई बाहरी निर्देश मिला था।

मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, 'फिलहाल जांच चल रही है और हम फिलहाल किसी भी संगठन के साथ उसके जुड़ाव की पुष्टि नहीं कर सकते। सूत्र ने कहा, 'इसका तरीका गाजियाबाद धर्मांतरण रैकेट जैसा ही है, जहां पीड़ितों को यूट्यूब वीडियो दिखाए गए और कोई भी काम शुरू करने से पहले धार्मिक छंद पढ़ने को कहा गया।' विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, यह बात सामने आई है कि कई आतंकवादी संगठन पिछले कुछ वर्षों में युवाओं को स्लीपर सेल के रूप में नियुक्त कर उन्हें कट्टर बनाने में लगे हैं। एक पूर्व पुलिस अधिकारी ने कहा, 'इन स्लीपर सेल में हैंडलर होते हैं, जो आवश्यक होने पर उन्हें सक्रिय करते हैं।

यह प्रशंसनीय है कि कई असफल अभियानों के बाद, इन आतंकवादी संगठनों ने देश के भीतर लोगों को कट्टरपंथी बनाने और परिवर्तित करने के लिए एक नया तरीका अपनाया हो सकता है।' गुमनामी और मामले को संवेदनशील करार दिया।

उन्होंने कहा, 'गाजियाबाद धर्मांतरण रैकेट और कलीम की गिरफ्तारी के बाद, ऐसा लगता है कि उनके पीछे कोई है, जो सीमा पार या कहीं और से काम कर रहा है।' इससे पहले पुलिस उपायुक्त (मध्य) संजय कुमार सेन ने कहा था कि कलीम के फोन से संदिग्ध सामान बरामद किया गया है।

सेन ने कहा, 'हमें तीन अलग-अलग लोगों से उसके खिलाफ तीन शिकायतें मिलीं। आरोपी बीटेक स्नातक है। हमने प्राथमिकी दर्ज की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले हम मामले की आगे जांच करना चाहेंगे।' प्राथमिकी के अनुसार, कलीम ने दो हिंदू युवकों, सुजीत कुमार और विक्की शर्मा को भी इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर किया था। कलीम ने उन्हें बताया कि हिंदू धर्म में खामियां हैं और उन्हें अपने जाल में फंसाने के लिए काफी प्रयास किए।

सागर ने यह भी आरोप लगाया है कि हाल ही में कलीम संजीद कुमार नाम के एक हिंदू युवक को इस्लाम में परिवर्तित करने में सफल रहा।

संजीत अब अब्बास के नाम से रह रहा है। जांचकर्ताओं को कथित तौर पर कलीम के फोन में विवादास्पद उपदेशक जाकिर नाइक के वीडियो मिले हैं। कलीम, जो पहले एक मानव संसाधन प्रबंधक के रूप में काम कर चुके थे, ने कल्याणकारी कार्यक्रमों के नाम पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाए थे जिसमें वीडियो और रूपांतरण सामग्री नियमित रूप से पोस्ट की जाती थी। सूत्रों ने कहा, 'समूहों में से एक स्पष्ट रूप से नशामुक्ति के बारे में था। लेकिन नशामुक्ति से संबंधित कुछ भी नहीं था, लेकिन केवल धर्मांतरण से संबंधित सामग्री थी।'

डीके शिवकुमार को आय से अधिक संपत्ति मामले में बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने जांच पर लगाई रोक

बेंगलुरु, 13 जून (एजेन्सी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को आय से अधिक संपत्ति मामले में हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने सोमवार को आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई जांच पर अंतरिम रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वरले की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार की दायरअपील पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। इस साल अप्रैल में एकल पीठ ने तत्कालीन बीएस येदियुरख्पा सरकार की ओर से जारी 25 सितंबर, 2019 के आदेश को चुनौती देने वाली शिवकुमार की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद हाई कोर्ट के इस फैसले से डीके शिवकुमार को काफी आराम मिला है।

तत्कालीन कर्नाटक सरकार की सहमति के संबंध में 3 अक्टूबर, 2020 को सीबीआई की ओर से दर्ज एक प्राथमिकी पर रोक जारी है। क्योंकि प्राथमिकी को एक अलग याचिका में चुनौती दी गई है, जिसको लेकर एक फैसला लंबित है। शिवकुमार ने तर्क दिया कि उनके एक करीबी रिश्तेदार शशिकुमार शिवन्ना की ओर से दायर एक याचिका को खारिज करने के एक समन्वय पीठ के फैसले का उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि शशि कुमार एक एचएएल कर्मचारी थे।

शिवन्ना की दायर याचिका को खारिज करते हुए, हाई कोर्ट की पीठ ने कहा था कि जब कोई राज्य सरकार दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम, 1946 के तहत सीबीआई जांच के लिए सहमति देती है तो यह एक प्रशासनिक आदेश है, जिसमें कि बदलाव की आवश्यकता नहीं है। यह भी बताया गया कि केंद्र सरकार के कर्मचारी होने के नाते, शशिकुमार का इस मामले में कोई अधिकार नहीं था।

सीबीआई का दावा है कि जांच के दौरान - 1 अप्रैल, 2013 और 30 अप्रैल, 2018 - शिवकुमार और उनके परिवार के सदस्यों के पास 74.8 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जो कि आय के बताए गए स्रोत से कहीं ज्यादा थी।

HEALTH & FAMILY WELFARE DEPARTMENT
GOVERNMENT OF SIKKIM
GANGTOK – 737103

No. 981/NCD/H&FW Date : 12/06/2023

EMPLOYMENT NOTICE

Applications are invited on behalf of State Health Society, national Health Mission from candidates willing to work in mission mode (24x7) for engagement in the National Tele Mental Health Programme of India (Tele-MANAS) on contractual basis in the following positions.

Sl. No.	Name of the Post	Vacancy
1.	Senior Consultant	1
2.	Consultant, Tele MANAS	2
3.	Clinical Psychologist/Psychiatric Social Worker/Psychiatric Nurse	3
4.	Counsellors Tele MANAS	10

Details of Posts Application Forms and Syllabus can be downloaded from https://sikkim.gov.in/departments/health-family-welfare-department.

Eligible candidates shall apply by sending completed form and supporting documents to: nmhpsikkim@gmail.com or submit at: National Mental Health Program, NCD Cell, Health Secretariat, Tashiling, Gangtok. Last date for online or physical applications to be submitted on or before 30.06.2023 at 4.30 PM.

No TA/DA will be paid for attending the interview/selection test.

Sd/-
(Dr. M.M. Dhakal)
State Programme Officer
National Mental Health Programme

R.O. No. 56/IPR/PUB/Classi/2324, DT.: 13.06.2023

छठे यूथ मेन्स नेशनल .....

के सचिव राजू बस्नेत, खेल प्रशासक छेवांग जांग्पो, एसएबीए के संस्थापक सदस्य छेवांग ग्याछो भूटिया, राष्ट्रीय स्तर की कोच सुनीता छेत्री के अलावा मुक्केबाजी में योगदान हेतु भाव्या गुरूंग एवं सबिता परियार को सम्मानित किया।

इससे पहले, कार्यक्रम की शुरुआत में राज्यपाल ने वॉल ऑफ फेम का मुआयना किया, जिसमें बॉक्सिंग और कई अन्य चैंपियनशिप के संबंध में विभिन्न उपलब्धियों का फोटोग्राफिक चित्रण प्रदर्शित किया गया था। इस दौरान सिक्किम एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव डॉ आरबी विश्वकर्मा ने राज्य में मुक्केबाजी के बारे में प्रदर्शित फोटोग्राफी प्रदर्शनी में मेहमानों की आगवानी की। इसके अलावा, कार्यक्रम में सिक्किम में खेल के रूप में मुक्केबाजी की प्रगति के संबंध में सूचना व जनसंपर्क विभाग द्वारा एक वीडियो प्रस्तुति भी पेश की गई। वहीं उद्घाटन कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा रंगारंग गीत-संगीत भी पेश किए गए।

उत्तम लाल ने .....

से कार्य करने वाले मौलिक मानव संसाधन पेशेवर हैं।

उत्तम लाल ने प्रतिष्ठित जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (रांची) से कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया है। श्री लाल रांची विश्वविद्यालय से विधि स्नातक की डिग्री भी प्राप्त की है। उत्तम लाल के निदेशक (कार्मिक) के रूप में एनएचपीसी में पदभार ग्रहण करने से कंपनी को विद्युत क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता और लंबे अनुभव का भरपूर लाभ मिलेगा।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GODAVARI TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:11 DrawDate on:13/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 95E 49867
Cons. Prize ₹1000/- 49867 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
05194 22760 32105 34337 47235 54382 63529 78332 85911 99825
3rd Prize ₹450/-
2262 2996 3951 4299 4556 4883 5528 5916 9223 9349
4th Prize ₹250/-
0599 1616 2989 5950 6183 6692 6853 7167 8601 9272
5th Prize ₹120/-
0034 0061 0136 0190 0321 0367 0759 0831 0866 0885
0933 0967 0981 1225 1290 1505 1659 1785 1800 1827
1842 1886 1890 1946 1987 2115 2203 2222 2293 2310
2426 2444 2454 2722 2788 2795 2898 3210 3285 3287
3293 3330 3382 3792 3952 4083 4126 4177 4286 4553
4582 4629 4679 4713 4855 4879 4880 4900 5223 5293
5372 5409 5446 5516 5585 5598 5639 5641 5944 5992
6303 6814 6872 6975 7008 7076 7096 7156 7231 7293
7313 7334 7713 7839 7901 8084 8111 8188 8236 8360
8548 9152 9245 9420 9430 9568 9588 9706 9773 9932
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR WAVE TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:11 DrawDate on:13/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 90K 48923
Cons. Prize ₹1000/- 48923 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
12227 27579 30894 31383 40371 50021 51443 63715 76191 99182
3rd Prize ₹450/-
0081 0293 0317 0828 3275 4386 5093 7372 7901 9822
4th Prize ₹250/-
0362 1136 2152 2400 2752 3443 4778 7317 8381 9396
5th Prize ₹120/-
0019 0094 0110 0146 0208 0388 0446 0519 0730 0840
0918 0954 0996 1098 1188 1313 1732 2123 2157 2217
2281 2336 2504 2611 2687 2768 2787 2940 2953 2957
3027 3081 3086 3119 3224 3264 3334 3349 3396 3585
3921 4055 4062 4106 4151 4158 4161 4170 4200 4322
4370 4678 4940 5012 5051 5112 5135 5201 5277 5551
5640 5684 5772 5775 5827 5833 5845 5964 6116 6250
6343 6431 6459 6478 6625 6698 6715 6779 6920 7013
7153 7353 7378 7469 7489 7653 7745 8154 8336 8415
8460 8472 8870 9025 9091 9242 9248 9279 9764 9808
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR GOOSE TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:11 DrawDate on:13/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 58K 10223
Cons. Prize ₹1000/- 10223 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
02331 11718 15271 22849 38928 42084 57727 62305 81028 97069
3rd Prize ₹450/-
0242 1360 2002 5716 6239 7147 7571 8295 8335 9972
4th Prize ₹250/-
1017 2825 2892 3072 3295 5049 7342 8257 9005 9312
5th Prize ₹120/-
0170 0309 0403 0406 0437 0459 0544 0642 0788 0888
1016 1027 1083 1135 1139 1184 1276 1278 1337 1693
1955 2015 2134 2200 2238 2311 2539 2623 2639 2649
3019 3126 3244 3303 3331 3676 3706 3707 3732 3802
3934 4128 4187 4513 4549 4810 5071 5212 5261 5279
5338 5395 5679 5746 5774 5798 5882 6079 6227 6358
6362 6522 6543 6634 6644 6661 6886 6982 7055 7166
7188 7203 7221 7303 7404 7470 7568 7680 7911 7939
8032 8275 8416 8612 8757 8785 8912 8960 9014 9033
9066 9136 9264 9271 9311 9457 9666 9718 9778 9994
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

दोस्तों की तलाश

एक तरफ विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं तो दूसरी ओर एनडीए ने भी नए साथियों की तलाश तेज कर दी है। केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके पक्के संकेत मिले। बीजेपी लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भी उसने इस सिलसिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। वैसे भी उत्तर भारत में वह पिछले लोकसभा चुनाव में इतना तगड़ा प्रदर्शन कर चुकी है कि इस बार उसे दोहराना मुश्किल लग रहा है। इसलिए अगर उसे फिर से बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आना है तो दक्षिण में सीटें बढ़ानी होंगी। इससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में संभावित कमी की भरपाई हो जाएगी। बीजेपी इस योजना पर कॉन्फिडेंस के साथ बढ़ भी रही थी, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों से उसे झटका लगा। इसके बाद से कहा जा रहा है कि बीजेपी पहले जितनी ताकतवर नहीं रही। खैर, जो बात बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत साबित हुई है, वह यह कि हार हो या जीत, इससे निकले सबक को समझने और अपनाने में पार्टी देर नहीं करती। कर्नाटक में मिली हार के बाद भी बीजेपी यही कर रही है। वह दक्षिण में नए दोस्त बनाने की पहल कर रही है। टीडीपी नेता चंद्र बाबू नायडू काफी समय से बीजेपी के करीब आना चाहते थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व उन्हें घास नहीं डाल रहा था। वजह शायद यह थी कि पिछले लोकसभा चुनावों से पहले नायडू ने न केवल एनडीए को बाय-बाय कह दिया था बल्कि उसके बाद बीजेपी लीडरशिप पर तीखे हमले भी किए थे। मगर बदले हालात में बीजेपी न सिर्फ उनके संकेतों पर पॉजिटिव रेस्पॉन्स देने लगी बल्कि अमित शाह और नायडू की बैठक भी हो गई। यही नहीं, यूपी में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के नेता ओमप्रकाश राजभर के बेटे की शादी के मौके पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र लिखकर नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। इसके बाद यह चर्चा शुरू हो गई कि अगले लोकसभा चुनाव में फिर से एनडीए से जुड़ सकती है। माना जा रहा है कि दूसरे राज्यों में भी बीजेपी सहयोगियों की तलाश तेज कर सकती है। वह पहले इस तरह के कामयाब प्रयोग कर भी चुकी है। कोशिशें क्या रंग लाएंगी, इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन इधर बीजेपी जो संकेत दे रही है, उससे इतना तो पता चल ही रहा है कि पार्टी नए दोस्तों का स्वागत करने के मूड में है।

क्या अब भी औपनिवेशिक छवि से बाहर नहीं निकल पाई है भारतीय रेल

रितिका प्रसाद

पिछले दिनों ओडिशा में हुई विनाशकारी रेल दुर्घटना ने भारतीय जीवन में रेलवे के महत्व पर पूरी दुनिया का ध्यान केंद्रित किया है। अत्यंत भीड़-भाड़ वाली भारतीय ट्रेनों की छवियां ज्यादातर पश्चिमी लोगों को आधुनिक भारत के रूपक की तरह लगती हैं। आबादी में भारत के चीन को पीछे छोड़ देने पर जर्मन अखबार डेयार श्पीग्ल के कार्टून को ही लें, जो ओडिशा में हुई दुर्घटना से कुछ हफ्ते पहले छपा था। उसमें लोगों से ठसाठस भरी एक भारतीय ट्रेन दिखाई गई है, जो सिर्फ दो यात्रियों वाली चीन की एक ट्रेन से आगे निकल रही थी! पश्चिमी मानस में भारत और भारतीय रेल की ऐसी छवि आती कहां से है?

वर्ष 2015 में प्रकाशित पुस्तक ट्रैक्स ऑफ चेंज : रेलवेज ऐंड एवरीडे लाइफ इन कॉलोनियल इंडिया की लेखिका के तौर पर मेरा मानना है कि इस सवाल का जवाब 19वीं शताब्दी के विशाल बुनियादी ढांचे संबंधी परियोजनाओं में निहित हैं, जिनकी नींव औपनिवेशिक इच्छाओं व पूंजीवादी जरूरतों के मेल से पड़ी थी। आज भी रोजाना करीब 2.3 करोड़ यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचाती भारतीय रेल परिवहन की रीढ़ बनी हुई है। कोरोना से पहले के वित्त वर्ष (2018-19) में भारत में 7.7 अरब लोगों ने रेल यात्राएं की थीं। इसकी तुलना हवाई यात्रा से करें, तो महामारी के बाद 2022 में हवाई यात्रा करने वाले कुल यात्रियों का आंकड़ा महज 12.5 करोड़ ही रहा।

1840 के दशक में जब भारत में पहली बार रेलवे की योजना बनाई गई, तो इसका मुख्य उद्देश्य माल और पशुओं की ढुलाई था। ईस्ट इंडिया कंपनी दरअसल व्यापारिक एकाधिकार की एक व्यवस्था थी, जिसने ब्रिटिश ताज के अधीन रहते हुए धीरे-धीरे भारत के एक बड़े हिस्से पर कब्जा और उस पर शासन किया। कंपनी के निदेशकों को भारतीयों में रेल यात्री बनने की संभावना नहीं दिखती थी। जबकि अनेक लोग न सिर्फ भारतीयों के गतिहीन होने के ब्रिटिश तर्क से असहमत थे, बल्कि अपने समर्थन में वे समुद्री रास्तों से भारतीयों के व्यापार के समृद्ध इतिहास की याद दिलाते थे।

इसके बावजूद ब्रिटिश कालीन रेलवे नीति इस औपनिवेशिक सोच पर आधारित थी कि भारत के लोग गरीबी- तंगहाली से ग्रस्त, छोटे-छोटे गांवों में अलग-थलग रहने वाले और धार्मिक रूढ़ियों से घिरे हैं और यात्राएं करने में सक्षम नहीं हैं। यह विचार हालांकि उस औपनिवेशिक सोच से गुंथा था कि रेल नेटवर्क से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे पूंजीवादी अर्थव्यवस्था को ताकत मिलेगी। रेलवे के विकास का विचार औपनिवेशिक व्यापारिक आधिपत्य की व्यवहारिक जरूरतों से भी जुड़ा था, जो अंग्रेजी उद्योगों के लिए जरूरी कपास जैसे कच्चे माल की आपूर्ति के लिए आवश्यक थीं। भारत के अंदरूनी क्षेत्रों से कच्चे माल को बंदरगाह वाले शहरों तक तेजी व कुशलता के साथ पहुंचाने के लिए रेल व्यवस्था जरूरी थी।

तृतीय श्रेणी के कूपों का किराया कम रख भारतीयों को ललचाने की कोशिश की गई, जो बेशक पूंजीवादी उद्यम के लाभ कमाने के उद्देश्य के उलट थी। पर ब्रिटिश पूंजीपतियों व अंशधारकों को रेलवे से लाभ की चिंता करने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि सरकार ने भारतीय करदाताओं की कीमत पर इन कंपनियों को अपने निवेश पर पांच फीसदी वार्षिक रिटर्न देना सुनिश्चित किया था।

तमाम संदेहों के बावजूद भारतीय रेलवे ने बड़ी संख्या में यात्रियों को आकर्षित करना शुरू किया था। 1854 में जब रेल मार्गों पर संचालन शुरू हुआ, तब करीब पांच लाख लोगों ने रेल यात्रा की थी। वर्ष 1875 में यह संख्या 2.6 करोड़, वर्ष 1900 में 17.5 करोड़ और 1919-20 में 52 करोड़ तक पहुंच गई। वर्ष 1947 में देश के विभाजन के समय रेलयात्रियों की वार्षिक संख्या 100 करोड़ से ज्यादा हो गई थी। लोगों से ठसाठस भरी उस समय की रेलगाड़ियों की तस्वीरें दरअसल विभाजन के समय के भयावह हालात का प्रतीक थीं।

उस भीड़ का 90 फीसदी हिस्सा तृतीय श्रेणी के यात्रियों का था। रेलयात्रियों की बढ़ती संख्या के बाद भी किराये में कमी नहीं की गई, न भारी भीड़ और गंदगी वाली तृतीय श्रेणी की यात्रा में सुधार के प्रयास किए गए। तृतीय श्रेणी में भारी भीड़ होने का बड़ा कारण रेल डब्बों का आयात न होना था।

जानवरों के डब्बे में इंसानों को ले जाया जाता था। अंग्रेजों का मानना था कि ट्रेनों में भीड़ भारतीयों की अजीब आदतों की वजह से होती है और उन्हें भेड़ों के झुंड की तरह खचाखच भरी ट्रेनों में सफर करना ही अच्छा लगता है। वर्ष 1929 में एक अंग्रेज पत्रकार एच. सदरलैंड स्टार्क ने लिखा था कि समस्या रेल व्यवस्था में नहीं है, बल्कि भारतीय यात्रियों में ही समझदारी से यात्रा करने की जरूरी मानसिक तैयारी और प्रक्रियाओं को समझने का अभाव है। स्टार्क ने रेलवे की समस्याओं के समाधान के लिए तब यात्रियों को शिक्षित किए जाने की वकालत की थी। ऐसा कहने वाले वह अकेले नहीं थे। 1910 के दशक में तृतीय श्रेणी के यात्रियों की परेशानियों को लेकर रेल प्रबंधन की निंदा करते हुए नागरिकों का एक निकाय बनाने के लिए रेल यात्रियों को शिक्षित करने की जरूरत पर खुद महात्मा गांधी ने भी बल दिया था।

एक सदी से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद स्थिति में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। 12 मार्च, 2005 को द न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक आलेख में इस लेखिका ने दिल्ली मेट्रो की सराहना करते हुए लिखा था कि 'इनमें हॉकरों और भिखारियों जैसे अराजक वर्ग नहीं हैं, जो कि अमूमन भारतीय रेल की पहचान माने जाते हैं, न ही दरवाजों से लटकते हुए मुसाफिर दिखाई देते हैं।'

ओडिशा में हुई ताजा दुर्घटना पर लौटें, तो इसके बाद यह बहस तेज हो गई है कि भारत की रेल आधुनिकीकरण की परियोजनाओं में क्या सुरक्षा को पीछे धकेल दिया गया है। शुरुआती विश्लेषण बताते हैं कि सिग्नल का फेल होना ओडिशा में हुए रेल हादसे की वजह हो सकता है। शायद यह अतिशयोक्ति लगे, लेकिन 1947 में भारतीय रेलवे की तस्वीरें जिस तरह तत्कालीन बदहवासी का रूपक बनीं, उसी तरह ओडिशा में हुई ट्रेन दुर्घटना को भी पश्चिम में समकालीन भारत के मूल्यांकन के प्रतीक के तौर पर पेश किया जाए, तो हैरत नहीं होनी चाहिए।

भंडारण में वृद्धि का लक्ष्य

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता बनाने की योजना को मंजूरी दी है। इसका मकसद देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना और भंडारण क्षमता में कमी के कारण किसानों को फसल पैदावार के मौसम में कम मूल्य पर की जाने वाली बिक्री से होने वाले नकुसान से बचाना भी है।

गौरतलब है कि नई खाद्यान्न भंडार क्षमता योजना लगभग एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ शुरू होगी। इस समय देश का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3,100 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। ऐसे में, देश में खाद्यान्न भंडारण की जो मौजूदा क्षमता 1,450 लाख टन की है, उसे अगले पांच वर्षों में 2,150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रत्येक प्रखंड में 2,000 टन क्षमता का गोदाम स्थापित किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की अहम भूमिका होगी।

भारत में किसान कड़ी मेहनत कर खाद्यान्न उगाते हैं, लेकिन 12 से 14 फीसदी तक अन्न बर्बाद हो जाता है। अधिकांशत: किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता है। अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था न होने के चलते कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। देश में मौजूद लगभग तीन चौथाई भंडारण सुविधाएं परंपरागत तरीके से ही संचालित होती हैं और ये प्रतिकूल मौसमी दशाओं जैसे-तेज बारिश, बाढ़, तूफान आदि में अनाजों के बड़े हिस्से को बचा नहीं पाती हैं। देश में अधिकांश कोल्ड स्टोरेज संरचनाएं असंगठित क्षेत्र की हैं, जिन्हें पारंपरिक ढंग से चलाया जा रहा है। अपर्याप्त प्रबंधन की वजह से भंडारों में अनाज को तय सीमा से भी अधिक समय तक रखा जाता है, जिससे कीड़े, चूहे, पक्षियों आदि द्वारा नुकसान की आशंका बढ़ जाती है।

यदि हम देश में खाद्यान्न संग्रहण तथा प्रबंधन के सरकारी तंत्र की ओर देखें, तो पाते हैं कि भारत में खाद्यान्नों की खरीद, संग्रहण, स्थानांतरण, सार्वजनिक वितरण तथा बफर स्टॉक के रख-रखाव की जिम्मेदारी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की है। एफसीआई न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से खाद्यान्नों की खरीद करता है। एफसीआई की तरफ से खाद्यान्नों की खरीद राज्य सरकार की एजेंसियों तथा निजी मिलों द्वारा भी की जाती है। खरीदे गए सभी अनाज केंद्रीय भंडार (सेंट्रल पूल) का निर्माण करते हैं। इसके बाद अनाजों को अधिशेष राज्यों से उपभोक्ता राज्यों में वितरण हेतु भेजा जाता है। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बफर स्टॉक हेतु अनाजों का संग्रह एफसीआई के भंडार गृहों में किया जाता है। लेकिन एफसीआई की भंडारण क्षमता अपर्याप्त होने के साथ-साथ विभिन्न राज्यों में उपलब्ध भंडारण क्षमता भी पर्याप्त नहीं है।

ऐसे में, निश्चित रूप से तेजी से बढ़ता हुआ खाद्यान्न उत्पादन अब किसानों के परंपरागत खाद्यान्न भंडारों और सरकार की क्षमताओं के लिए चुनौतीपूर्ण बन गया है। खाद्यान्न उत्पादन कितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसका अनुमान हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वर्ष 2022-23 के प्रमुख फसलों के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान से लगाया जा सकता है। इसके मुताबिक, चालू कृषि वर्ष में 3,305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन है। साथ ही, इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के तहत उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक धन आवंटन तथा विशेष कार्य-योजनाएं लागू की गई हैं, उनसे भी मोटा अनाज का उत्पादन छलांगें लगाकर बढ़ेगा और अधिक भंडारण क्षमता जरूरी होगी।

विश्व की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना को पूरा करने से खाद्यान्न की बर्बादी रुकेगी, खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी और जगह-जगह स्टोरेज होने से किसानों की ढुलाई में आने वाली लागत में भी कमी आएगी। इससे खाद्यान्न आयात पर निर्भरता भी कम होगी। साथ ही, खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित होने से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

राजनीतिक पार्टियों की नजरें आने वाले कल पर टिकीं

अभय कुमार दुबे

पार्टियां अपनी रणनीतियां मुख्यतया दो तरह के लक्ष्यों के तहत बनाती हैं- दूरगामी या तात्कालिक। आम तौर पर चुनावी मौसम फौरी रणनीतियों का होता है, लेकिन इस समय राजनीति के कारखाने में कई ऐसी रणनीतियां तैयार की जा रही हैं, जिनका परिप्रेक्ष्य आसन्न विधानसभा और लोकसभा चुनावों से परे जाता है। भाजपा पिछले दो साल से एक ऐसी रणनीति पर काम कर रही है, जिसके इच्छित परिणाम अगर निकले तो वह आने वाले समय में अपने वोटों का राष्ट्रीय प्रतिशत 40 या उसके पार पहुंचा सकती है। इस समय भाजपा ज्यादा से ज्यादा 37-38 प्रतिशत वोटों की पार्टी है।

विपक्षी मतों के बंटवारे के कारण उसे बहुमत की सरकार बनाने का मौका अवश्य मिल गया है, लेकिन कांग्रेस के अच्छे जमानों से तुलना की जाए तो यह पार्टी दो चुनाव जीतने के बावजूद 45 प्रतिशत वोट के आंकड़े से काफी पीछे नजर आती है। अब भाजपा की निगाह पसमांदा मुसलमानों पर है, जो व्यावहारिक रूप से मुस्लिम समाज की तकरीबन 80 प्रतिशत आबादी बनाते हैं।

मेहनतकश, गरीब और कारीगर जातियों की इस मुसलमान जनता का राजनीतिक नेतृत्व आजादी के पहले से ही ऊंची जातियों के सम्पन्न और कुलीन समझे जाने वाले अशराफ नेतृत्व को चुनौती देता रहा है। संघ के सरसंघचालक द्वारा हिंदुओं व मुसलमानों का एक ही डीएनए बताए जाने से लेकर प्रधानमंत्री द्वारा पसमांदाओं से अच्छे संबंध बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करने तक सत्तारूढ़ दल की यह रणनीति पूरी तरह भविष्योन्मुखी है।

कर्नाटक में तो पार्टी पसमांदाओं का आरक्षण छीनकर हिंदुओं को देती नजर आई थी, पर इसका मतलब यह नहीं निकाला जा सकता कि उसने राष्ट्रीय स्तर पर उनके वोटों की उम्मीद छोड़ दी है। यूपी के स्थानीय निकाय चुनावों में कई जगहों पर इस तरह के मुसलमानों को चुनाव में उतारकर यह प्रयोग जारी रखा गया।

एक समीक्षक के अनुसार पसमांदा वोटरों के भाजपा की तरफ रुझान से पार्टी को डेढ़ से ढाई फीसदी वोटों का लाभ मिल सकता है, जिससे वह चालीस फीसदी की रेंज में पहुंच सकती है। दूसरे, इससे हिन्दू वोटरों की गोलबंदी में निहित समस्याओं का सामना करने में भी मदद मिलेगी। यह सही है कि भाजपा को ओबीसी और दलित वोट मिलते हैं, लेकिन उनकी निष्ठा उस तरह पक्की नहीं है, जिस तरह ऊंची जातियों की है। ये वोटर कभी-कभी पार्टी का साथ छोड़ भी देते हैं। इससे पैदा हुए संकट का सामना करने में भी भाजपा की मदद पसमांदा वोटर कर सकते हैं।

भाजपा की दूसरी रणनीति का ताल्लुक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से है। इस परिसीमन पर 2026 तक रोक लगी हुई है, लेकिन उसके बाद उसे नहीं रोका जा सकेगा। भाजपा चाहे तो परिसीमन के जरिए अपने प्रभाव-क्षेत्र की सीटें बढ़ा सकती है और उन इलाकों की सीटें कम कर सकती है, जहां उसे समर्थन या तो कम मिलता है या बिल्कुल नहीं मिलता। मसलन, परिसीमन के परिणामस्वरूप हिंदी क्षेत्र की 33 सीटें बढ़ सकती हैं और इसका खामियाजा दक्षिण भारत को उठाना पड़ सकता है। वहां की सीटों की संख्या कम हो जाएगी। यह सब करने के लिए भाजपा को किसी नियम का उल्लंघन नहीं करना है।

ऐसा करने के लिए उसे केवल आबादी के मुताबिक प्रतिनिधित्व का नियम लागू करना होगा। यह अलग बात है कि इससे उन राज्यों को नुकसान होगा, जिन्होंने आबादी पर नियंत्रण करने के सफल और प्रशंसनीय उपाय किए। परिसीमन के भारतीय लोकतंत्र के लिए क्या नतीजे निकलेंगे, इसका तथ्यात्मक अनुमान अभी नहीं लगाया गया है। नई संसद में लोकसभा सदस्यों की लगभग दोगुनी संख्या बैठ सकती है। अगर दक्षिण की मौजूदा सीटें कायम रखनी हैं तो लोकसभा सदस्यों की संख्या आठ सौ से ज्यादा करनी होगी। बढ़े सदस्य ज्यादातर किस पार्टी के होंगे, इसका मोटा अंदाजा लगाया जा सकता है।

गैरभाजपा दलों के लिहाज से देखें तो उनकी दूरगामी रणनीति जातिगत जनगणना व ओबीसी गोलबंदी की संभावनाओं के इर्दगिर्द नजर आती है। इसीलिए राहुल गांधी आजकल जिसकी जितनी संख्या भारी, उतनी उसकी हिस्सेदारी का पुराना समाजवादी नारा लगाते सुने जा सकते हैं। लेकिन इस रणनीति में भी वैसी अनिश्चितताएं हैं, जैसी भाजपा की पसमांदा-रणनीति या परिसीमन-रणनीति में नजर आती हैं। इससे जुड़े कई सवाल हैं, जिनके जवाब गैरभाजपा दलों को तलाशना हैं। मसलन ओबीसी गोलबंदी करते समय ब्राह्मणवाद विरोध की लफ्फाजी के गहरे और स्थायी किस्म का नुकसान पहले भी हो चुके हैं और आगे भी हो सकते हैं। दूसरे, ओबीसी पहचान का एक हिस्सा कभी भी भाजपा की तरफ खिसक सकता है।

यूपी निवेशकों की पहली पसंद

दुर्गेश उपाध्याय

उत्तर प्रदेश सरकार सितंबर-अक्टूबर के महीने में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी कर रही है। इस ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में मिले प्रस्तावों को जमीन पर उतारने की कोशिश होगी।

आपको बता दें कि इस ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के समझौता प्रस्तावों को अमली जामा पहनाने की तैयारी की जा रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक अलग-अलग विभागों द्वारा 8 लाख करोड़ रुपये के 50,000 प्रस्तावों को चिह्नित कर लिया गया है। इस महत्त्वपूर्ण कार्य को तेजी से प्रोफेशनल तरीके से आगे बढ़ाने के लिए सभी विभागों में इन्वेस्टमेंट इम्प्लिमेंटेशन यूनिट का गठन किया गया है। इसके साथ ही जनपद स्तर पर उद्यमी मित्रों का चयन किया गया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जो एमओयू हस्ताक्षरित हुए थे उनको सुचारू रूप से आगे बढ़ाकर निवेश को धरातल पर उतारने में ये टीम अपना महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी। यहां ये समझना आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेशकों की रुचि का आखिर कारण क्या है। क्यों देश-विदेश का हर बड़ा औद्योगिक घराना आज यूपी में निवेश करने में दिलचस्पी ले रहा है।

इसके लिए हमलोगों को थोड़ा पीछे नजर डालनी होगी। अगर आप गौर करें तो पाएंगे कि उत्तर प्रदेश में पिछले 6 सालों में काफी कुछ बदला है। साल 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता में आने के बाद ढेर सारे बदलाव देखने को मिले हैं। साल 2017 से पहले यूपी एक बीमारू राज्य के रूप में पहचाना जाता था। यूपी की पहचान एक ऐसे राज्य के रूप में थी जहां की कानून व्यवस्था लचर थी और दूसरे प्रदेशों के लोग यहां आने से डरते थे खासकर अगर वो निवेशक हों। उनको ये डर सताता था कि उनका निवेश सुरक्षित नहीं है, लेकिन योगी आदित्यनाथ के सत्तासीन होने के बाद परिस्थितियां काफी तेजी से बदलीं। सबसे पहले सरकार ने कानून व्यवस्था को सही करने की दिशा में मेहनत की और इसी का नतीजा रहा कि आज उत्तर प्रदेश की सुदृढ़ कानून व्यवस्था की मिसाल अब पूरे देश में दी जाने लगी है।

अपवादों को छोड़ दिया जाए तो 25 करोड़ की बड़ी आबादी वाले इस प्रदेश में पूरी तरह से कानून का राज स्थापित हो चुका है। ये योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व का ही करिश्मा है कि लगभग हर क्षेत्र में यूपी विकास की एक नई इबारत लिख रहा है। सुदृढ कानून व्यवस्था, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश फ्रेंडली नीतियों की वजह से यहां निवेश का एक बेहतरीन माहौल बना है। आज उत्तर प्रदेश में विभिन्न प्रकार के नए-नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं। सरकार एमएसएमई ईकाईयों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन मुहैया करा रही है। प्रदेश में लगने वाली मेगा परियोजनाओं के लिए 15 दिन में भूमि आवंटन का कार्य संपन्न किया जा रहा है, जहां तक स्टाम्प शुल्क में छूट की बात है तो पूर्वांचल और बुंदेलखंड में 100 प्रतिशत, पश्चिमांचल और मध्यांचल में 75 प्रतिशत, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में 50 प्रतिशत की और महिला उद्यमियों को जमीन खरीदने पर कोई स्टाम्प शुल्क देय नहीं है।

टेक्सटाइल और गारमेंट नीति 2022 के तहत 1000 से ज्यादा व्यक्तियों को रोजगार देने पर प्रति व्यक्ति 3200 रुपये मासिक की प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था है। इसके अलावा 10 करोड़ रु पये से कम निवेश पर 50 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार देने पर ख्लांट एवं मशीनरी की लागत पर 35 प्रतिशत सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीसीडा) द्वारा 40000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास की तैयारी की गई है। यूपी में वेयर हाउस और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में 40 से अधिक कंपनियां अपने प्रोजेक्टस शुरू करने जा रहे हैं। इतने बड़े पैमाने पर निवेश के धरातल पर उतरने से रोजगार सृजन के अलावा प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी तेजी से कार्य होगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी उत्तर प्रदेश में तेजी से हो रहे विकास कायरे को सराहा है उनका मानना है कि यूपी को अब गुड गवन्रेंस की वजह से पहचाना जाता है।

डबल इंजन की सरकार ने पिछले सालों में इन्फ्रास्ट्रक्चर का बेहतरीन नेटवर्क तैयार किया है। आज उत्तर प्रदेश की पहचान एक्सप्रेस प्रदेश के रूप में स्थापित हो चुकी है। उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का एक मात्र राज्य बन गया है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के 9 एयरपोर्ट संचालित हैं और 12 एयरपोर्ट की निर्माण प्रक्रिया चल रही है। एक्सप्रेसवे के किनारों पर इंडस्ट्रीयल क्लस्टर्स बनाने की प्रक्रिया भी गतिशील है।

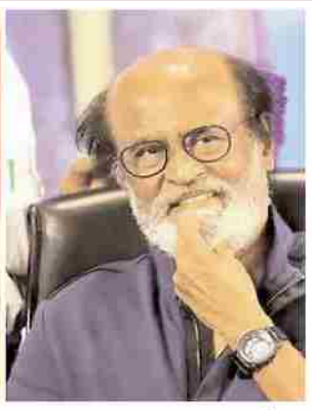

32 साल बाद एक साथ नजर आएंगे

अमिताभ व रजनीकांत

भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज रजनीकांत और अमिताभ बच्चन एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं।अंधा कानून, गिरफ्तार और हम जैसी फिल्मों में स्क्रीन स्पेस साझा करने वाले दोनों, थलाइवर 170 नामक आगामी फिल्म के साथ लगभग 32 वर्षों के बाद स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे।गौरतलब है कि रजनीकांत ने हाल ही में जेलर की शूटिंग पूरी की है और वे अपनी बेटी के निर्देशन में बन रही फिल्म लाल सलाम पर काम कर रहे हैं।दो फिल्मों के बाद, वह जय भीम फेम निर्देशक टीजे ज्ञानवेल की आगामी फिल्म थलाइवर 170 के साथ काम करते नजर आएंगे।विचाराधीन फिल्म उनके करियर की 170वीं फिल्म होगी, इसलिए इसे अस्थायी रूप से थलाइवर 170 नाम दिया गया है। इस फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस द्वारा किया जा रहा है।इसी फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन को साइन किया गया है जिसके चलते लगभग 32 साल बाद दोनों दिग्गज हाथ मिलाएंगे।

अनुप्रिया गोयनका ने किया खुलासा

सेक्रेड गेम्स में इंटीमेट सीन के दौरान कैसा था सैफ का रवैया?

अनुप्रिया गोयनका अपनी अदाकारी से लाखों दिलों में खास जगह बना चुकी हैं।अब तक वह कई वेब सीरीज में दमदार एक्टिंग कर चुकी हैं।उनकी नई सीरीज असुर 2 कुछ ही समय पहले रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है।अभिनेत्री ने हाल ही में खुलासा किया है कि कैसे सेक्रेड गेम्स में सैफ अली खान के साथ उनके अंतरंग दृश्यों को नेटफ्लिक्स शो के दोनों सीजन से हटा दिया गया था। अनुप्रिया ने कहा कि शूटिंग के दौरान सैफ उनसे ज्यादा जागरूक थे।उन्होंने कहा कि सैफ हर दृश्य के बाद उनसे उनका हाल जरूर पूछते थे।बता दें कि सेक्रेड गेम्स में अनुप्रिया ने सैफ की पूर्व पत्नी मेघा का किरदार निभाया था।हाल ही में आईवीएम पॉप पोडकास्ट पर गोयनका ने कहा, उन्होंने (निर्माताओं ने) मुझे एक डिस्क्लेमर दिया।मेरे और सैफ के बीच कुछ इंटीमेट सीन होने वाले थे।शो में एक इंटीमेट सीन था, जिसके लिए हमने शूट किया था, लेकिन सीजन एक से किसी कारण इसे हटा दिया गया था। इस बातचीत में अनुप्रिया ने सैफ की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें बेहद शिष्ट व्यक्ति बताया।अभिनेत्री ने कहा, वह बहुत शिष्ट, बहुत जानकार और बहुत बुद्धिमान इंसान हैं।वह जमीन से जुड़े हुए और बेहद प्यारे इंसान है।मुझे याद है कि जब हम ये इंटीमेट सीन कर रहे थे तो विक्रम ने मुझसे कहा था कि चिंता मत करो उन्हें देखो (सैफ) वह तुमसे ज्यादा जागरूक हैं।एक्ट्रेस ने आगे कहा कि हर सीन के बाद वह (सैफ) आए और मुझसे पूछा कि क्या तुम ठीक हो?एक समय के बाद मैंने कहा कि मैं अच्छी हूं, क्या आप ठीक हो।

गदर को लेकर बोले सनी

ये पंजाबी फिल्म है इसे हिंदी में डब करो

गदर – एक प्रेम कथा (2001) न केवल भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है, बल्कि एक ऐसी फिल्म है जिसे रिलीज होने के 22 साल बाद भी लगातार पसंद किया जा रहा है और नियमित रूप से देखा जा रहा है।15 जून 2001 को जब यह सिनेमाघरों में आई तो इसने सिनेमाघरों में तहलका मचा दिया।इसलिए, जब सनी देओल ने धमाका किया तो चौंकाने वाली बात यह थी कि रिलीज से पहले इंडस्ट्री में इसके बॉक्स ऑफिस की संभावनाओं को लेकर आशंकाएं थीं।वितरक इसे खरीदने से कतरा रहे थे जबकि कुछ ने सुझाव दिया कि यह एक पंजाबी फिल्म की तरह लगती है।सनी देओल ने इस पहलू के बारे में शुक्रवार, 9 जून को मुंबई में आयोजित गदर – एक प्रेम कथा के पुन रिलीज़ प्रीमियर में बात की।सनी देओल ने गदर को सिनेमाघरों में रिलीज करने में आने वाली चुनौतियों पर खुलकर बात की।सनी देओल ने कहा, जब गदर – एक प्रेम कथा लगी, तब हमें नहीं पता था कि ये फिल्म गदर मचा देगी।लोग कहते थे, ये पंजाबी फिल्म है।इससे हिंदी में डब करो।कुछ वितरकों ने कहा, मैं तो नहीं खरीदूंगा ये फिल्म।तो हमें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा।लेकिन जनता को फिल्म इतनी पसंद आई कि उनके सब का मुंह बंद करवा दिया! उन्होंने ही हमें हिम्मत दी है कि हम पार्ट 2 बनाएं।गदर – एक प्रेम कथा को 9 जून को देश भर में फिर से रिलीज़ किया गया था, क्योंकि सीक्वल, गदर 2, इस साल 11 अगस्त को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।पहले भाग की तरह, गदर 2 में भी सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा हैं।गदर – एक प्रेम कथा पर सनी देओल के साथ चर्चा प्रतिष्ठित हैंडपंप दृश्य के उल्लेख के बिना अधूरी है।जब सनी से पूछा गया कि क्या वह बदमाशों को मात देने के लिए एक बार फिर से हैंडपंप उठाएंगे, तो सनी देओल ने मजाक में कहा, इस बार लोगों ने सारे हैंडपंप छुपाए।पहले से ही निकले दिए।निर्देशक अनिल शर्मा भी मौजूद थे और उन्होंने कहा, मैं फिल्म यही सोच के बनाता हूं कि ये भारत की ही नहीं, विश्व की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर होगी।कई बार मैं सफल होता हूं और कई बार नहीं।गदर – एक प्रेम कथा के समय पे मैं सही हो गया।सनी जी विनम्र हैं।वह अंदर से जानते हैं कि फिल्म चलेगी।फिर भी, वह मुझसे पूछते थे, शर्मा जी, चलेगी? मैं कहूंगा, चलेगी नहीं सर, दौड़ेगी।

मुम्बई पुलिस का रीमेक नहीं है शाहिद की

कोई शक

इस सप्ताह की शुरुआत में, यह घोषणा की गई थी कि शाहिद कपूर को मलयालम निर्देशक रोशन एंड्रूज़ की अगली फिल्म कोई शक में मुख्य भूमिका निभाने के लिए अनुबंधित किया गया है।वास्तव में, उद्योग चर्चा ने यह भी कहा कि शाहिद ने परियोजना में काम करने के लिए वेतन में कटौती की थी।यदि यह पर्याप्त नहीं था, तो खबरों में चर्चा थी कि विचाराधीन फिल्म पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर मुंबई पुलिस की रीमेक होगी।बॉलीवुड हंगामा के अनुसार रोशन एंड्रयू की फिल्म कोई शक सुकुमारन पृथ्वीराज की मुम्बई पुलिस का रीमेक नहीं है। फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया, कई रिपोर्टें सामने आई हैं जिसमें दावा किया गया है कि शाहिद कपूर के साथ रोशन एंड्रयूज की फिल्म मुंबई पुलिस की रीमेक है। हालाँकि, यह सच्चाई से बहुत दूर है।कोई शक नामक फिल्म वास्तव में एक मूल स्क्रिप्ट है जिसे विकसित किया गया है।अभी चीजें प्रारंभिक अवस्था में हैं।हां, कास्ट और स्क्रिप्ट भी तय कर ली गई है, लेकिन एंड्रयूज चीजों को छुपा रहे हैं।शूटिंग शुरू होने के बाद और जानकारी सामने आएगी। वर्तमान में, शाहिद कपूर की हालिया रिलीज़ ब्लडी डैडी ओटीटी पर रिलीज़ हुई है, और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

परी-राघव उदयपुर में करेंगे शादी

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एवं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा उदयपुर की सितारा होटल उदयपुर विलास में शादी करेंगे।हालांकि दोनों की शादी की तारीख का खुलासा नहीं हुआ है लेकिन प्रबंधन उनकी शादी की जरूरत को लेकर होटल में बदलाव को लेकर काम शुरू करने जा रहा है।पिछले महीने 13 मई को दिल्ली के कपूरथला हाउस में सगाई के बाद उदयपुर आ चुके परिणीति चोपड़ा तथा सांसद राघव ने यहां कई ऐसे डेस्टीनेशन देखे, जहां उनकी शाही शादी हो सके।इनमें ओबेराय समूह की सितारा होटल उदयविलास सहित अन्य सितारा होटल शमिल थी।रॉयल वेडिंग को लेकर उन्होंने कई सितारा होटल एवं रिसोर्ट मालिकों के अलावा पर्यटन विभाग के अधिकारियों से बातचीत की और उसके बाद उदयपुर को रॉयल वेडिंग के लिए चुने जाने की चर्चा है।चर्चा है कि दोनों होटल उदयविलास से एक—दूसरे के बंधन में बंधेंगे।हाल ही प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा सितंबर और नवंबर के बीच शादी की तारीख तय कर सकते हैं।हालांकि दोनों ने अभी तक अफवाहों की पुष्टि नहीं की है।उल्लेखनीय है कि परिणीति चोपड़ा की बड़ी बहन प्रियंका चोपड़ा, जो बॉलीवुड अभिनेत्री हैं, ने निक जोन्स के साथ जोधपुर की उम्मेद पैलेस होटल में शादी की, जो राजस्थान में है।दोनों ने अपनी शादी के लिए राजस्थान का ही चुनाव किया और परिणीति भी राजस्थान में शादी करेंगी।

कार हादसे का शिकार हुईं 'बिग बॉस 14' की विनर रुबीना

'बिग बॉस 14' की विनर और मशहूर टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलाइक के फैंस के लिए बुरी खबर है।एक्ट्रेस का एक्सीडेंट हो गया है।उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।इस बात की जानकारी एक्ट्रेस के पति और एक्टर अभिनव शुक्ला ने सोशल मीडिया के जरिए दी है और बताया कि रूबीना फिलहाल ठीक हैं, उन्हें मेडिकल के लिए ले जा रहे हैं। अभिनव शुक्ला ने अपने ट्विटर हैंडल पर दुर्घटनाग्रस्त कार की फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा है, यह हमारे साथ हुआ, आपके साथ भी हो सकता है।फोन पर बात करते हुए ट्रैफिक लाइट्स जंप करने वाले मूर्खों से सावधान रहिए।इस बारे में ज्यादा जानकारी बाद में साझा की जाएगी।रूबीना कार के अंदर थीं, वह ठीक हैं।उन्हें मेडिकल के लिए ले जा रहे हैं।अपनी इस पोस्ट में अभिनव ने मुंबई पुलिस को भी टैग किया और लिखा, मुंबई पुलिस आपसे सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध करते हैं।

शाहरुख और आमिर के साथ

काम के अनुभव पर सान्या ने तोड़ी चुप्पी

दंगल के बाद सान्या मल्होत्रा को खासा पहचान मिली।फिर उन्होंने पगलैट और कटहल जैसी फिल्मों से खुद को साबित किया है।31 साल की उम्र में सान्या ने अब तक आमिर खान से लेकर शाहरुख खान के साथ काम कर लिया है।अब उन्होंने बॉलीवुड के सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया है।31 साल की उम्र में सान्या ने अब तक आमिर खान से लेकर शाहरुख खान के साथ काम कर लिया है. पगलैट और कटहल जैसी फिल्मों से सान्या मल्होत्रा ने खुद को साबित किया है, आज वह बड़े बड़े प्रोजेक्ट कर रही हैं. अब सान्या ने आमिर खान और शाहरुख खान जैसे कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है. सान्या मल्होत्रा ने बॉलीवुड के दो बड़े खान सितारों के साथ काम कर लिया है।उनकी डेब्यू फिल्म मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के साथ थी तो हाल ही में उन्होंने शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान में काम किया है।अब 31 साल की सान्या मल्होत्रा ने इन सितारों के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए।सान्या ने कहा कि दोनों सितारे जिस तरह सेट पर तैयार होकर आते हैं, उससे वह काफी प्रभावित हैं।सान्या के मुताबिक, दोनों सितारे जिस मुकाम पर हैं, फिल्म में अपने काम को लेकर पैशन की वजह से दोनों उस मुकाम पर पहुंचना डिजर्व करते हैं।बकौल सान्या इन सितारों के साथ काम करना ना सिर्फ काफी कुछ सिखाता है बल्कि उनकी सफलता की वजहों को समझने का मौका भी देता है।

14 घंटे तक पानी में रहीं रकुल

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी आने वाली फिल्म आई लव यू की तैयारी शुरू कर दी है।फिल्म के एक सीन के लिए, एक्ट्रेस को दो मिनट 30 सेकंड के लिए पानी के अंदर रहना पड़ा और इसकी तैयारी के लिए एक्ट्रेस ने वह सब कुछ किया जो वह पानी में रहकर कर सकती थी! ट्रेनिंग के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, भावनाओं को गहराई से समझने के लिए फिल्म के लिए मुझे एक खास तरह की सोच की जरूरत थी।कुल मिलाकर, मैंने अपनी भावनाओं के साथ सही मायने में जुड़ने के लिए एक महीने तक कड़ी तैयारी की।अंडरवाटर सीक्वेंस के लिए ट्रेनिंग पर अजहान एडनवाला नाम के एक स्कूबा प्रशिक्षक थे जिन्होंने मुझे दो मिनट 30 सेकंड के लिए अंडरवाटर होल्ड करने के लिए ट्रेंड किया। सीक्वेंस दोपहर 2 बजे से सुबह 4 बजे तक शूट किया गया था।उसे दिन और रात दोनों सीक्वेंस के लिए पानी के नीचे शूट करना था।तो मैंने उसके कुछ सेंशन किए।कुल मिलाकर, भावनाओं से जुड़ने और फिल्म के लिए शारीरिक प्रशिक्षण के लिए हर रोज मेहनत की। उन्होंने आगे कहा- अंडरवाटर सीक्वेंस को शूट करने की सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि मैं दोपहर 2 बजे से लेकर सुबह 4 बजे तक पानी में थी और मैं पूरे दिन गीली थी और पानी बहुत ठंडा था।वे हर शॉट के बाद मेरे ऊपर गर्म पानी डाल रहे थे ताकि मेरा शरीर ज्यादा ठंडा न हो जाए।पानी में क्लोरीन की वजह से आपकी आंखों में जलन हो रही थी, जोकि एक बड़ी चुनौती थी।लेकिन मैंने वास्तव में इस चुनौती का आनंद लिया।

रोमानिया के राष्ट्रपति ने प्रेडोयू को कार्यवाहक प्रधानमंत्री किया नियुक्त

चिसीनाउ । रोमानिया के राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस ने न्याय मंत्री मारियन-कैटलिन प्रेडोइयू को देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रपति प्रशासन ने बताया कि श्री इओहानिस ने श्री प्रेडोइयू को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिये हैं। रोमानिया के प्रधानमंत्री निकोले सिउका ने पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसा माना जा रहा कि श्री सिउका ने अगले उम्मीदवार के लिए प्रधानमंत्री पद छोड़ा है, लेकिन शिक्षकों की हड़ताल के कारण मंत्रिमंडल के बदलाव की प्रक्रिया में देरी हुई। बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने एक नई सरकार के गठन तक प्रधानमंत्री के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए श्री प्रेडोई को कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं।

यूक्रेनी शहर पर रूसी मिसाइल हमले में 3 की मौत, 25 घायल

कीव । यूक्रेनी शहर क्रिवीवीरिह में एक रूसी मिसाइल हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए और 25 अन्य घायल हो गए। वहां के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, डिनिप्रॉपेट्रोस क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेर्ही लिसाक ने कहा कि हवाई रक्षा ने शहर के ऊपर तीन क्रूज मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन और भी मिसाइलें आ रही थीं। उन्होंने कहा, नागरिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि 19 घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। लिसैक ने कहा, क्रिवीवीरिह पर एक बड़ा मिसाइल हमला हुआ। शहर के मेयर ऑलेक्जेंडर विलकुल ने कहा कि एक पांच मंजिला अपार्टमेंट इमारत को निशाना बनाया गया और पीड़ितों के मलबे में दबे होने की संभावना है। मेयर के हवाले से कहा, पहली से पांचवीं मंजिल तक के अपार्टमेंट में आग लगी है। आग 700 वर्ग मीटर में फैल गई है। बचावकर्मी बुझा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर में एक अन्य स्थान पर भी चार लोग घायल हो गए, जहां एक इमारत और एक कार में आग लग गई थी। विलकुल ने पास के निकोपोल जिले में रात भर रूसी गोलाबारी की भी सूचना दी। घटना की निंदा करते हुए, राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अधिक आतंकवादी मिसाइलें, रूसी हत्यारे आवासीय भवनों, सामान्य शहरों और लोगों के खिलाफ अपना युद्ध जारी रखते हैं .. दुर्भाग्य से, कुछ मृत और घायल हैं।

रूस दिवस पर यूएई के राष्ट्रपति ने पुतिन को दी बधाई

मॉस्को । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान ने रूस दिवस के अवसर पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बधाई दी है। यूएई की एक रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को राष्ट्रपति अल नहयान ने श्री पुतिन को रूस दिवस पर बधाई संदेश भेजा। रिपोर्ट के अनुसार यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद अल नाहयान ने भी रूसी नेता को बधाई दी। इससे पहले सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद ने रूस दिवस के मौके पर पुतिन को बधाई का तार भेजा था। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भी रूसी राष्ट्रपति को इसी तरह की बधाई वाला संदेश भेजा था। उल्लेखनीय है कि रूस में 1992 से प्रतिवर्ष 12 जून को रूस दिवस मनाया जाता है। यह दिन रूसी सोवियत संघीय समाजवादी गणराज्य की संप्रभुता की घोषणा की याद दिलाता है।

ईरान में सऊदी राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने की तैयारी

तेहरान । ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने कहा है कि ईरान में सऊदी राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने के लिए जमीन तैयार है। ईरानी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार कनानी ने राजधानी तेहरान में एक साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंधों की बहाली में नवीनतम विकास पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अप्रैल में ईरान का दौरा करने वाली सऊदी तकनीकी टीम द्वारा उठाए गए प्रारंभिक कदमों के आधार पर तेहरान में सऊदी दूतावास और उत्तर-पूर्वी ईरानी शहर मशहद में महावाणिज्य दूतावास को निकट भविष्य में फिर से खोल दिया जाएगा। कनानी ने यह भी कहा कि ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दोल्लाहियान द्वारा अपने सऊदी समकक्ष फैसल बिन फरहान अल सऊद को पहले दिए गए निमंत्रण के मद्देनजर शीर्ष सऊदी राजनयिक निकट भविष्य में ईरान की यात्रा करने वाले हैं। ईरान और सऊदी अरब ने अप्रैल में तत्काल प्रभाव से राजनयिक संबंधों को फिर से शुरू करने की घोषणा की थी।

रूसी पक्ष ने यूक्रेनी सीमा पर घमासान लड़ाई की बात कही

मास्को । रूस द्वारा नियुक्त अधिकारी और रूसी समर्थक ब्लॉगरों ने यूक्रेन के दोनेत्स्क और जपोरिजिया इलाकों में घमासान लड़ाई की रिपोर्ट दी है। इन इलाकों में प्रतिघात की शुरुआत के बाद पिछले दिनों यूक्रेनी सेना ने अच्छी बढ़त हासिल की है। मोकरी यली नदी के दोनों किनारों पर वेलीका नोवोसिल्का शहर के दक्षिण में लड़ाई चल रही है। एक रिपोर्ट में रूसी-स्थापित जपोरिजिया प्रशासन के एक सदस्य व्लादिमीर रोगोव ने वर्मीवका रिज के रूप में जाने वाले क्षेत्र में भारी लड़ाई की बात स्वीकार की हालांकि उन्होंने यह भी दावा किया कि उच्च भूमि रूसी नियंत्रण में रही। उन्होंने कहा कि रूसी हमलावर हेलीकॉप्टर सक्रिय थे और उरोजाइन गांव के आसपास के क्षेत्र में पारस्परिक गोलाबारी और घमासान लड़ाई जारी है। रोगोव ने यह भी स्वीकार किया कि यूक्रेनी सेना गांव के उत्तरी और पूर्वी बाहरी इलाके में अपनी स्थिति बनाए हुए थी। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने आगे दावा किया कि मकरिवका के पास के गांव में 127वें डिवीजन के त्वरित और प्रभावी पलटवार से दुश्मन को पहले ही खदेड़ दिया गया है। उधर यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दोनेत्स्क और जपोरिजिया सीमा क्षेत्र में लड़ाई पर टिप्पणी करते हुए कहा दुश्मन के नुकसान बिल्कुल वैसे ही हैं जो हमें चाहिए। महीनों की अटकलों के बाद 10 जून को जेलेंस्की द्वारा बहुप्रतीक्षित यूक्रेनी जवाबी हमले की शुरुआत की घोषणा की गई।

आधी रात को आया तेज भूकंप, जान-माल का कोई नुकसान नहीं

शिजांग। तिब्बत के शिजांग शहर में मंगलवार को भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक सुबह 3 बजकर 23 मिनट पर भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से 106 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले भी शिजांग क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप के झटके बीते 3 अप्रैल को रात एक बजे महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉडी ने भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं की थी। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई के साथ 33.54 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 84.41 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया था। धरती के अंदर मौजूद प्लेटों के टकराने के चलते भूकंप आते हैं। धरती के भीतर सात प्लेट्स होती हैं, जो लगातार

घूमती रहती है। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं तो वहां फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतह के कोने मुड़ जाते हैं। सतह के कोने मुड़ने के चलते वहां दबाव बनता है और प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसके चलते धरती हिलती है। रिक्टर स्केल पर 2.0 से कम तीव्रता वाले भूकंप को माइक्रो कैटेगरी में रखा जाता है और यह भूकंप महसूस नहीं किये जाते। रिक्टर स्केल पर माइक्रो कैटेगरी के 8,000 भूकंप हर रोज दुनियाभर में महसूस किये जाते हैं। इसी तरह 2.0 से 2.9 तीव्रता वाले भूकंप को माइनर कैटेगरी में रखा जाता है। ऐसे 1,000 भूकंप प्रतिदिन आते हैं। इसे भी सामान्य तौर पर हम महसूस नहीं करते। वेरी लाइट कैटेगरी के भूकंप 3.0 से 3.9 तीव्रता वाले होते हैं, जो एक साल 49,000 बार दर्ज किये जाते हैं। इन्हें महसूस किया जा सकता है। लेकिन शायद ही इससे कोई नुकसान होता है। लाइट कैटेगरी के भूकंप 4.0 से 4.9 तीव्रता वाले होते हैं, जो पूरी दुनिया में एक साल करीब 6,200 बार रिक्टर स्केल पर दर्ज किये जाते हैं।

वलेडिवस्टोक में पारंपरिक परिधान पहनकर रुस दिवस पर आने वाले मेहमानों का स्वागत करते हुए लोग।

प्रौद्योगिकी से होगा भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविक क्षमता का आंकलन

वाशिंगटन। भारत अमेरिका संबंधों की वास्तविक क्षमता का आंकलन प्रौद्योगिकी से होगा। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने भारत-अमेरिका साझेदारी को और तेजी से बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की ताकत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों की वास्तविक क्षमता को सामने लाने का सबसे अहम जरिया प्रौद्योगिकी ही है। संधू का यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा से ठीक पहले आया है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान, वह कांग्रेस के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। राजदूत संधू ने कहा, यदि आप मुझसे पूछें कि मैं सबसे ज्यादा किसकी वकालत करूंगा, इस संबंध के लिए सबसे अधिक फायदेमंद क्या है और वास्तव में वैश्विक हित किसमें है, वह प्रौद्योगिकी है। यह संबंधों की वास्तविक क्षमता को सामने लाने का सबसे अहम जरिया है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हमारे बीच काफी तालमेल है। यह उतनी ही रणनीतिक है जितनी वाणिज्यिक। संधू ने 'यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल' के वार्षिक 'इंडिया आइडियाज समिट' को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा, करीब साढ़े चार महीने पहले हीं हमने एनएसए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो दोनों की उपस्थिति में इसी स्थान पर आईसीईटी इंडस्ट्री राउंडटेबल' शुरू किया था। उन्होंने कहा, आज अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन दिल्ली में हैं, जो आईसीईटी की पहले दौर की चर्चा को वहां आगे बढ़ाएंगे। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री मोदी ने मई 2022 में महत्वपूर्ण एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) संबंधी पहल की घोषणा की थी। इसका मकसद दोनों देशों की सरकारों, व्यवसायों व शिक्षण संस्थानों के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाना व विस्तारित करना है।

कैलिफोर्निया में अक्टूबर को हिंदू अमेरिकी जागरूकता व प्रशंसा माह घोषित करने को बिल पेश

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कैलिफोर्निया राज्य विधानसभा के सदस्य ऐश कालरा ने एक प्रस्ताव पेश किया है, इसमें अक्टूबर 2023 को राज्य में हिंदू अमेरिकी जागरूकता और प्रशंसा माह घोषित किया गया है। 2013 से कैलिफोर्निया में लगभग हर साल पेश होने वाला विधेयक, पूरे अमेरिका में हिंदू अमेरिकियों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान के बारे में स्थानीय जागरूकता, मान्यता और स्वीकृति लाने का प्रयास करता है।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने कहा, कैलिफोर्निया ने 10वें वर्ष के लिए अक्टूबर को हिंदू अमेरिकी जागरूकता और प्रशंसा माह के रूप में मान्यता दी है। लगभग 2,230,000 हिंदू अमेरिकी अमेरिका में रहते हैं, जहां कैलिफोर्निया में हिंदू अमेरिकी की सबसे बड़ी आबादी है, जिसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, मलेशिया और अन्य देशों के व्यक्ति शामिल हैं। हिंदू अमेरिकियों के योगदान पर प्रकाश डालकर विधेयक में कहा गया है

कि देश को वेदांत फिलॉसफी, आयुर्वेदिक मेडिसिन, क्लासिकल इंडियन आर्ट, डांस, म्यूजिक, मेडिटेशन, योगा, लिटरेचर और कम्युनिटी सर्विस से लाभ हुआ है।

एचएएफ के प्रबंध निदेशक समीर कालरा ने कहा, एचएएफ ने कैलिफोर्निया में हिंदू अमेरिकी समुदाय के योगदान के साथ-साथ समुदाय द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों पर प्रकाश डालने के लिए विधानसभा सदस्य कालरा को बधाई दी। जैसे कि स्वस्तिक, अप्रवासी मुद्दे हमारे समुदाय को असमान रूप से प्रभावित कर रहे हैं और हिंदूफोबिया, हिंदू-विरोधी घृणा अपराध और हिंदू छात्रों को धमकाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

वर्ष 2023 में 1900 में सैन फ्रांसिस्को शहर में वेदांता सोसाइटी की स्थापना की 123वीं वर्षगांठ भी है। 1900 की शुरूआत में हिंदुओं ने कैलिफोर्निया में प्रवास करना शुरू किया, और 1943 में 1924 के एशियाई बहिष्करण अधिनियम को हटाने और 1965 में राष्ट्रीय मूल के आधार पर अप्रवासियों के लिए कोटा समाप्त करने के बाद संख्या में वृद्धि हुई। अमेरिका में पहला हिंदू मंदिर सैन फ्रांसिस्को में बनाया गया था, और 7 जनवरी, 1906 को मंदिर के समर्पण पर, इस संपूर्ण पश्चिमी दुनिया में पहला हिंदू मंदिर घोषित किया गया था। पूरे कैलिफोर्निया में अब 120 से अधिक हिंदू मंदिर, धार्मिक केंद्र और सांस्कृतिक केंद्र हैं, और ग्रेटर बे एरिया उन 40 से अधिक मंदिरों और केंद्रों का घर है।

चक्रवात करेगा कराची में धमाका, बादल फटने के आसार, सिंध में आपातकाल घोषित

कराची (एजेंसी)। चक्रवात बिपारजॉय पाकिस्तान में धमाका करने वाला है। यहां यह तूफान भारी तबाही मचा सकता है। इसके डर से ?सिंध प्रांत में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। गौरतलब है कि चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के 15 जून को गुजरात और कराची तट में टकराने की संभावना है। पाकिस्तान के मौसम विभाग ने कराची में बादल फटने जैसी घटनाओं की आशंका जताई है। सिंध में इमरजेंसी के चलते यहां सेना की तैनाती की गई है और निचले क्षेत्रों में रह रहे करीब 80 हजार लोगों को निकालने का काम शुरू कर दिया गया है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने बिपरजॉय को बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान बताया है। चक्रवात अरब सागर में पाकिस्तान और भारत के समुद्र तटों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने बताया कि राज्य में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। हम लोगों से अपील नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें घरों को खाली करने के लिए कह रहे हैं। हमने सोशल मीडिया, मस्जिदों और रेडियो स्टेशनों के माध्यम से अलर्ट जारी किया है। सिंध सीएम ने कहा कि लोगों को निकालने के लिए पाकिस्तानी नेवी की मदद ली जा रही है। अब तक थट्टा में 500 गांव वालों को निकाला जा चुका है। जबकि 1500 लोगों का रेस्क्यू जारी है। शाह बंदरगाह से 2000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। कराची में डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी ने समुद्र के किनारे के इलाकों में लोगों से 13 जून तक स्वैच्छा से घर खाली करने की अपील की है। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात पिछले 12 घंटे से उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह कराची से लगभग 550 किमी दक्षिण, थाटा से 530 किमी दक्षिण में है। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात के दौरान सतही हवाओं की स्पीड 140-150 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। जबकि सेंटर के आस पास 170 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। समुद्र में 35-40 फीट की ऊंचाई तक लहरें उठ सकती हैं। पाकिस्तान के सुजावल, बादिन, थारपारकर और उमरकोट जिलों में 13-17 जून तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

अमेरिका में ट्रक ड्राइवर एक माह में कमाता है चार से पांच लाख रुपये

-राहुल गांधी ने की तेजिंदर के साथ ट्रक की सवारी, बातों-बातों में पूछ ली इंकम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका में ट्रक ड्रायवर की कमाई सुनकर हैरान रह गए। बता दें कि राहुल इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने हाल ही में एक ट्रक से वॉशिंगटन से न्यूयॉर्क तक 190 किलोमीटर की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने ट्रक के ड्राइवर तेजिंदर गिल से बातचीत भी की। राहुल ने इस बातचीत का वीडियो भी शेयर किया है। राहुल ने यात्रा के दौरान ट्रक ड्राइवर की महीने की कमाई के बारे में भी सवाल किया। ड्राइवर तेजिंदर गिल ने जब महीने की अपनी कमाई बताई तो, उसे सुनकर राहुल भी दंग रह गए। तेजिंदर ने बताया कि आराम से महीने में 4-5 लाख रुपये बन जाता है। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि यहां के ट्रकों को बहुत ही सुरक्षित बनाया गया है। राहुल गांधी ने इससे पहले पंजाब में भी ट्रक यात्रा की थी। तब उन्होंने अमृतसर में ट्रक ड्राइवरों से बातचीत कर उनकी समस्या जानी थी। अब राहुल अमेरिका में ट्रक यात्रा करते नजर आए। राहुल ने ट्रक ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठकर ये यात्रा की। इस दौरान राहुल ने कहा, अमेरिका के ट्रक भारत से ज्यादा आरामदायक हैं। ये ड्राइवर के कंफर्ट को देखकर बनाए गए हैं। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान में जो ट्रक हैं, उन्हें ड्राइवर के कंफर्ट से कोई मतलब नहीं है। वे ट्रक ड्राइवर के लिए नहीं बनाए गए।

तेजिंदर गिल ने बताया कि यहां ट्रक में सेफ्टी बहुत ज्यादा है। यहां कोई पुलिसवाला तंग नहीं करता। चोरी का डर नहीं है। ओवरस्पीडिंग में चालान जरूर कटता है। तेजिंदर गिल ने बताया कि अगर आप अमेरिका में ड्राइवरी करते हैं, तो आराम से महीने में 4-5 लाख रुपये बन जाता है। अपना ट्रक वाला आराम से 8-10 हजार डॉलर कमा लेता है। यानी भारत के हिसाब से महीने में 8 लाख रुपये बना सकते हैं। ये सुनकर राहुल भी हैरान हो जाते हैं, वे कहते हैं कितना... 8 लाख रुपये। इस पर ट्रक ड्राइवर कहता है कि इस इंडस्ट्री में पैसा बहुत है। जिन लोगों के पास इंवेस्ट करने का पैसा नहीं है, उनके लिए ये विकल्प अच्छा है।

राहुल ने कहा, आप लोग बहुत हार्ड जॉब कर रहे हैं। आपके लिए शुभकामनाएं। आप लोग बड़ी मेहनत कर रहे हैं, परिवार से दूर रहते हैं। यहां ट्रक चलाकर परिवार का पालन अच्छे से किया जा सकता है। लेकिन भारत में ट्रक चलाकर परिवार का पालन नहीं कर सकते। राहुल आगे कहते हैं भारत में दूसरी बात है, वहां ट्रक ड्राइवर का ट्रक नहीं होता, ट्रक दूसरे का होता है, ट्रक खुद चलाते हैं। इस पर ड्राइवर कहता है कि यहां पैसे किसी के पास नहीं है। डाउन पेमेंट देकर ट्रक ले लेते हैं, बैंक लोन से। भारत में लोन के लिए प्रॉपर्टी के पेपर चाहिए होते हैं, लोन के लिए। गरीब के पास प्रॉपर्टी के पेपर नहीं होते। इसलिए किसी का भी ट्रक चलाते रहते हैं।

मोदी की यात्रा से पहले ब्लिंकेन ने की रणनीतिक निर्भरता घटाने की बात

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी ऐतिहासिक यात्रा के बारे में कहा कि दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर और रक्षा जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में उभरते सहयोग के मूल में रणनीतिक निर्भरता को कम करने का भारत का विचार है। अमेरिकी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अंग अमेरिका-भारत व्यापार परिषद के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर ब्लिंकेन ने कहा इस सभी सहयोग का केंद्र बिन्दु विश्वसनीय देशों के साथ हमारी आपूर्ति श्रंखलाओं में विविधता और गहराई लाना तथा रणनीतिक निर्भरता को कम करना है। ब्लिंकेन उभरती महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों पर दोनों देशों के बीच सहयोग में हालिया उछाल का जिक्र कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2022 में इस पर चर्चा शुरू की थी और इस साल की शुरुआत में दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों अजीत डोभाल और जेक सुलिवन की बैठक में दोनों पक्षों द्वारा इसे गति दी गई। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि दोनों देश सेमीकंडक्टर और और सौर ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में भी सहयोग कर सकते हैं जिससे इनके लिए चीन पर भारत की निर्भरता समाप्त होगी। उन्होंने तमिलनाडु में सौर निर्माण संयंत्र में अमेरिकी निवेश के बारे में भी बात की।

हालांकि ब्लिंकन ने यह नहीं कहा कि अमेरिका को रणनीतिक निर्भरता कम करने के मामले में भारत से उम्मीदें हैं लेकिन यह रूसी तेल पर भारत की निर्भरता की स्वीकृति हो सकती है। भारत अमेरिकी प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए अपने स्वयं के उपयोग और निर्यात के लिए भारी रियायती दरों पर रूस से तेल आयात कर रहा है।

खैबर पख्तूनख्वा में आंतकी संगठन कर रहा पाकिस्तानी सैनिकों की टारगेट किलिंग

-पाकिस्तानी सरकार और सेना के दावे हुए हवा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सबसे विवादित खैबर पख्तूनख्वा इलाके में आतंकवादियों ने इस साल के शुरू में ही अभियान चलाया था कि या तब सुरक्षाकर्मी इस इलाके की 'आजादी' के लिए उनका साथ दें अन्यथा आतंकवादी संगठन वह प्रतिदिन पाकिस्तानी फौज की सेवा कर रहे एक सुरक्षाकर्मी को टारगेट करके मार दिया जाएगा। पाकिस्तानी फौज और प्रशासन ने आतंकवादी संगठनों की धमकी को महज अफवाह करार दिया था साथ ही अब तक भी आतंकवादी संगठन द्वारा जो भी दावे किए जाते हैं उन्हें पाकिस्तानी प्रशासन और फौज पूरी तरह से नकार देती है।

पाकिस्तानी सरकार और सेना के दावे पर पहली बार देश की ही खैबर पख्तूनख्वा सरकार और प्रशासन ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रशासन ने अपने आधिकारिक आंकड़े में यह स्वीकार किया है कि बीते 5 महीनों के दौरान यानी जनवरी 2023 से मई 2023 के बीच आतंकवादियों द्वारा 141 सुरक्षाकर्मियों की टारगेट करके हत्या की गई है जबकि 222 सुरक्षाकर्मी इस दौरान घायल हुए हैं। इस आंकड़े के मुताबिक आतंकवादियों के दावे अपनी जगह पर एकदम सटीक है क्योंकि प्रतिदिन एक सुरक्षाकर्मी की टारगेट किलिंग उनके द्वारा की जा रही है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रशासन द्वारा पुलिस टारगेट किलिंग केस 2023 के नाम से जो लिस्ट जारी की गई है उसके मुताबिक जनवरी 2023 में टारगेट किलिंग के कुल 15 मामले दर्ज किए गए जिनमें 116 सुरक्षाकर्मी टारगेट किलिंग के तहत मारे गए जबकि 189 घायल हुए।

पाकिस्तानी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में 2 मार्च में 7 अप्रैल में 8 मई में 5 और जून में शुरुआती हफ्ते में 3 सुरक्षाकर्मियों को टारगेट करके मारा गया। खैबर पख्तूनख्वा की पुलिस द्वारा इस बाबत अब तक कुल 41 मुकदमे दर्ज किए गए हैं जिसमें 141 सुरक्षाकर्मियों की हत्या की गई है जबकि 222 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

पाकिस्तानी प्रशासन के कबूलनामे से साफ जाहिर है कि आतंकवादी संगठनों द्वारा जो दावे किए गए हैं वह पूरी तरह से सटीक हैं। हालांकि बीच-बीच में जब आतंकवादी संगठनों द्वारा इस तरह के दावे किए गए थे तब पाकिस्तानी सरकार और फौज ने उन्हें पूरी तरह से नकार दिया था और यह कहा था कि आतंकवादी लोगों को डराने के लिए इस तरह के भ्रामक प्रचार कर रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन पाकिस्तानी फौज और पाकिस्तानी प्रशासन पर भारी पड़ रहे हैं।

इमरान को फांसी देने की तैयारी कर रही शहबाज सरकार? पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने पास कर दिया कौन सा प्रस्ताव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी को एक और झटका देते हुए 9 मई की हिंसा में शामिल राजनीतिक दल और उसके नेता के खिलाफ सख्त सेना अधिनियम के तहत त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को निचले सदन में बहुमत से पारित किया गया, नेशनल असेंबली के आधिकारिक हैंडल ने ट्वीट किया।

प्रस्ताव के अनुसार, राजनीतिक दल और उसके नेताओं ने 9 मई को सभी हदें पार कर सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले किए, जिससे राज्य के संस्थानों और देश को अपूरणीय क्षति हुई। इसलिए, खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का नाम लिए बगैर प्रस्ताव में मांग की गई कि कानून और संविधान के अनुसार ऐसे सभी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसमें कहा गया है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए, यहां तक कि पार्टी के कार्यकर्ता और नेता भी 9 मई की हिंसा से खुद को दूर कर रहे थे।

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि बदमाशों और अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के दौरान मानवाधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि सेना के पास दुनिया भर में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के जवाब में कार्रवाई करने का अधिकार है, और इसमें शामिल सभी व्यक्तियों को उनके कार्यों के लिए पाकिस्तान सेना अधिनियम 1952 के तहत दंडित किया जाना चाहिए।

रोहित शर्मा के कप्तान बने रहने पर संदेह, वेस्टइंडीज दौरे के बाद होगा फैसला

लंदन। (एजेंसी)। भारतीय टीम हाल ही में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप हारी है। इस मुकाबले में भारतीय टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद से लगातार भारतीय टीम पर कई सवाल खड़े किए जा रहे है। इसी बीच संभावना जताई जा रही है कि रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक रोहित शर्मा की टेस्ट कप्तानी को हाल में कोई खतरा नहीं है। मगर कप्तानी को बचाए रखने के लिए रोहित शर्मा को कप्तान के तौर पर वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन करना होगा। रोहित शर्मा वेस्टइंडीज में दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। माना जा रहा है कि इस सीरीज के बाद भारतीय टीम के लिए नए कप्तान को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) बैठक कर सकता है।

रोहित को खेलनी होगी बड़ी पारी

जानकारी के मुताबिक रोहित शर्मा अगर 12 जुलाई से डोमीनिका में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की श्रृंखला में कप्तानी से स्वयं हटने का फैसला नहीं करते हैं तो वह टीम की अगुआई करेंगे। हालांकि इस सीरीज में रोहित शर्मा को बड़ी पारी खेलनी होगी। अगर इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा का बल्ला नहीं चलेगा तो उन पर काफी परेशानियां हो सकती है। रोहित हालांकि डोमीनिका या पोर्ट ऑफ स्पेन में होने वाले दूसरे टेस्ट (20 से 24 जुलाई) में अगर कोई बड़ी पारी नहीं खेलते हैं तो बीसीसीआई के आला अधिकारियों और राष्ट्रीय चयन समिति पर कड़ा फैसला करने का दबाव होगा।

फॉर्म को देखकर होगा फैसला

बीसीसीआई एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''ये निराधार बातें हैं कि रोहित को कप्तानी से हटा दिया जाएगा। हां, क्या वह पूरे दो साल के डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) चक्र में बरकरार रहेगा, यह एक बड़ा सवाल है क्योंकि 2025 में तीसरा चक्र समाप्त होने पर वह लगभग 38 वर्ष का होगा।'' उन्होंने कहा, ''फिलहाल मेरा मानना है कि शिव सुंदर दास और उनके सहयोगियों को दो टेस्ट के बाद और उनकी बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए फैसला करना होगा। असल में बीसीसीआई अन्य खेल बोर्ड से बहुत अलग तरीके से काम करता है। भारतीय बोर्ड में शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि जब आलोचना चरम पर पहुंच जाती है तो आप फैसले नहीं लेते।

सूत्र ने कहा, ''वेस्टइंडीज दौरे के बाद दिसंबर के अंत तक कोई टेस्ट नहीं है जब टीम दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करेगी। इसलिए चयनकर्ताओं के पास विचार-विमर्श करने और निर्णय लेने के लिए पर्याप्त समय है। तब तक पांचवां चयनकर्ता (नया अध्यक्ष) भी समिति में शामिल हो जाएगा और तब फैसला किया जा सकता है।'' जो लोग भारतीय क्रिकेट की जानकारी रखते हैं वे जानते हैं कि जब विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में श्रृंखला हारने के बाद टेस्ट कप्तानी छोड़ी थी तो रोहित शुरू में पारंपरिक प्रारूप में कप्तान बनने के लिए बहुत उत्सुक नहीं थे क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि उनका शरीर साथ देगा या नहीं। सूत्र ने कहा, ''उस समय के दो शीर्ष अधिकारियों (पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह) को लोकेश राहुल के दक्षिण अफ्रीका में कप्तान के रूप में प्रभावित करने में विफल रहने के बाद उन्हें यह भूमिका निभाने के लिए राजी करना पड़ा।''

नागपुर के चुनौतीपूर्ण क्रिकेट पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 120 रन के शानदार स्कोर को छोड़कर रोहित ने उस तरह की पारियां नहीं खेली हैं जैसी उनकी क्षमता के खिलाड़ी से उम्मीद की जाती है। रोहित के 2022 में टेस्ट कप्तानी संभालने के बाद से भारत ने 10 टेस्ट खेले जिसमें से तीन में वह नहीं खेले। उन्होंने इस दौरान सात टेस्ट में 390 रन बनाए और उनका औसत रहा। उन्होंने इस दौरान एक शतक जड़ा लेकिन इसके अलावा कोई अन्य स्कोर 50 रन से ऊपर नहीं था। इसी दौरान विराट कोहली ने सभी 10 टेस्ट खेले। उन्होंने 17 पारियों में 517 रन बनाए और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 186 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। चेतेश्वर पुजारा ने इस दौरान आठ टेस्ट की 14 पारियों में 482 रन बनाए जिसमें दो नाबाद पारियां भी शामिल रहीं। उनका औसत 40.12 रहा लेकिन उन्होंने 90 और 102 रन की दो पारियां बांग्लादेश की कमजोर टीम के खिलाफ खेली।

सिंधु यहां इंडोनेशिया ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

-प्रणय भी जीते, त्रीशा और गायत्री हारे

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने यहां इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 प्रतियोगिता के पहले दौर में जीत के साथ ही प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिंधु ने स्थानीय खिलाड़ी ग्रिगोरिया मारिस्का तुंजुंग को महिला एकल में सीधे गेम में 21-19 21-15 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाया। सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। उन्हें इंडोनेशिया की इस खिलाड़ी ने इससे पहले मैड्रिड और मलेशिया मास्टर्स में हराया था।

सिंधु के खिलाफ ग्रिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 से बढ़त बनाई पर इसके बाद इस भारतीय खिलाड़ी ने तेजी से अंक हासिल किये और ग्रिगोरिया की लगातार तीन गलतियों के साथ ही ब्रेक से 11-10 की बढ़त बना ली और इसके बाद गेम जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में सिंधु ने बेहतर खेल दिखाया। ग्रिगोरिया ने भी काफी गलतियां की जिसका लाभ उठाकर सिंधु ने गेम और मैच जीत लिया। सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार झेलनी पड़ी है।

सिंधु अग अब अगले दौर में तीसरी वरीयता प्राप्त ताइ जू यिंग से खेलना है। ताइवान की इस खिलाड़ी ने सिंधु के खिलाफ पिछले लगातार आठ मुकाबले जीते हैं और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 18-5 है। वहीं पुरुष एकल में भारत के एचएस प्रणय भी जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये। प्रणय ने सीधे गेम में निशिमोटो को 21-16 21-14 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रणय अब अगले दौर में हांगकांग के लोंग एंगस से खेलेंगे। वहीं महिला युगल में भारत की ही त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी पहले दौर में ही जापान की ही रिंग इवानागा और केई नाकानिशी की जोड़ी से 22-20 12-21 16-21 से हारकर बाहर हो गयी।

महिला एमर्जिंग एशिया कप क्रिकेट में भारत ने हांगकांग को हराया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय अंडर-23 टीम ने हांगकांग में जारी महिला एमर्जिंग एशिया कप में मेजबान टीम को नौ विकेट से हराकर अच्छी शुरुआत की है। भारतीय टीम की जीत में स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की अहम भूमिका रही। श्रेयंका ने दो रन देकर पांच विकेट लिए।

पहली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रेयंका की स्पिन के सामने हांगकांग की टीम टिक नहीं पायी और 14 ओवर में ही 34 रनों पर सिमट गयी। हांगकांग की ओर से सलामी बल्लेबाज मारिको हिल ने 19 गेंद में 14 रन बनाए। वहीं बाएं हाथ की स्पिनर

मन्नत कश्यप ने दो रन देकर दो विकेट और लेग स्पिनर पार्शवी चोपड़ा ने 12 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को भारतीय टीम ने जी त्रीशा की नाबाद 19 रन की पारी से 5.2 ओवर में एक विकेट पर 38 रन बनाकर ही हासिल कर लिया।

सुरेश रैना फिर मैदान पर दिखेंगे, इस लीग में हिस्सा लेने के लिए हैं तैयार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर और मिस्टर आईपीएल सुरेश रैना के फैंस के लिए खुश खबरी है। अब फैंस जल्द ही सुरेश रैना को फिर से मैदान पर खेलते हुए देख सकेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग में अपना जलवा बिखेरने के बाद फिर से वो एक लीग में खेलते हुए दिखेंगे।

भारतीय क्रिकेट के खिलाड़ियों को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड किसी अन्य विदेशी लीग में खेलने की इजाजत नहीं मिलती है। किसी खिलाड़ी को इन लीग में खेलने के लिए क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से सन्यास लेना पड़ता है। अब एक भारतीय क्रिकेट का पूर्व खिलाड़ी सन्यास लेने के वर्षों बाद फिर से क्रिकेट के मैदान में खेलता हुआ दिखाई देगा।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और इंडियन प्रीमियर लीग टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के सबसे सफल बल्लेबाजों में शुमार सुरेश रैना जल्द ही विदेशी लीग में खेलते हुए दिख सकते है। सीएसके के लिए लंबे समय तक धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले सुरेश रैना अब नई विदेशी लीग में अपने बल्ले से धमाल मचाते दिख सकते है। सुरेश रैना लंका प्रीमियर लीग में खेलते हुए दिखाई देंगे। इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 14 जून को होनी है।

इस लीग को लेकर श्रीलंका क्रिकेट काउंसिल की ओर से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेटरों की सूची जारी की गई है। इस सूची में उन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं जो टूर्नामेंट में शामिल होने वाली टीमों के खिलाड़ी बनने के लिए नीलामी में हिस्सा लेंगे। इस लीग की शुरुआत 31 जुलाई से होगी, जिसमें कुल पांच टीमें हिस्सा लेंगी।

12 जुलाई से शुरू होगा भारतीय टीम का वेस्टइंडीज दौरा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह जुलाई में वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। भारतीय टीम 12 जुलाई से शुरू हो रहे वेस्टइंडीज दौरे में दो टेस्ट मैच, तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच खेलेगी। भारतीय टीम के दौरे की शुरूआत टेस्ट सीरीज से होगी जिसके बाद 13 अगस्त तक चलने वाले इस दौरे में एकदिवसीय मैच और अंत में पांच टी-20 मैचों की सीरीज होगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच डोमिनिका के विंडसर पार्क में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 20 से 24 जुलाई के बीच त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल मैदान में खेला जाएगा।

टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी होगी, इसमें पहले दो मैच 27 और 29 जुलाई को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेले जाएंगे। वहीं तीसरा एकदिवसीय मैच एक अगस्त को त्रिनिदाद में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

डब्ल्यूटीसी में हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव तय : कार्तिक

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में मिली हार के बाद अब भारतीय टीम में बदलाव होने तय हैं। भारतीय टीम के वेस्टइंडीज दौरे का कार्यक्रम जारी हो गया है। इस दौरे के साथ ही डब्ल्यूटीसी का नया सत्र भी शुरु हो जाएगा। भारतीय टीम 12 जुलाई से 13 अगस्त के बीच दो टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार टी-20 सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। इसके अलावा चेतेश्वर पुजारा का बाहर होना भी तय है। पुजारा डब्ल्यूटीसी मुकाबले में रन नहीं बना पाये थे। हाल में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी सामने आये हैं और माना जा रहा है कि अब टीम प्रबंधन उन्हें अवसर देगा।

वहीं अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इस मामले को लेकर कहा कि कई अनुभवी खिलाड़ी 30 वर्ष के हो गय हैं। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर ये निर्भर रहेगा कि वह किसे रखना चाहते हैं और किसके साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। जसप्रीत बुमराह, राहुल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत इस टीम में फिट होते हैं। ये तीनों ही अभी फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं।

कार्तिक ने उन खिलाड़ियों का नाम भी बताया, जिन्हें टेस्ट लाइन-अप में रखा जा सकता है। इसमें पहले नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सरफराज खान हैं। सरफराज ने भी घरेलू क्रिकेट में जमकर रन बनाये हैं। अन्य नाम तेज गेंदबाज मुकेश कुमार का है।

उन्होंने कका कि गेंदबाज के रूप में उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर प्रभावी नहीं थे और रोहित ने सोचा होगा। हां शार्दुल ने बल्ले से योगदान दिया, लेकिन क्या हम हमेशा उसे एक ऐसे गेंदबाज के रूप में देखेंगे, जो बल्लेबाजी कर सकता है या एक शुद्ध ऑलराउंडर। मैं एक ऐसे गेंदबाज के रूप में अधिक सोचूंगा जो बल्लेबाजी कर सकता है।

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण की जांच के लिए कजाकिस्तान सहित तीन देशों के हॉकी संघ से फुटेज और तस्वीरें मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने यौन शोषण के आरोपों में फंसे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तीन देशों के हॉकी संघों से भी सहायता मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कजाकिस्तान, मंगोलिया और इंडोनेशिया के हॉकी संघों से सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें देने के लिए कहा है। इसका कारण है कि महिला पहलवानों ने साल 2016, 2018 और 2022 में इन देशों के दौरे के दौरान यौन उत्पीड़न किए जाने के आरोप लगाए थे। ऐसे में पुलिस इन देशों की सहायता से भी बृज भूषण के खिलाफ

साक्ष्य एकत्र कर रही है।

महिला पहलवानों ने बृज भूषण पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इसी मामले में पहलवानों ने बृज भूषण की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए जंतर मंतर पर धरना-पदर्शन भी किया था। हाल ही में पहलवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केन्द्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात के बाद अपने धरने को 15 जून तक के लिए निलंबित कर दिया था। वहीं अब पहलवानों ने धमकी दी है कि यदि 15 जून तक बृज भूषण की गिरफ्तारी नहीं होती तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। दूसरी ओर कुश्ती महासंघ में चुनाव की तैयारियां जारी हैं। इसके लिए 4 जुलाई को चुनाव आयोजित होंगे। बृज भूषण यह चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इसकी वजह उनका तीन बार का अध्यक्ष के तौर पर रहने का कार्यकाल है। नियमों के तहत अब वह किसी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

काइलियन एम्बाप्पे अगले सीजन में छोड़ेंगे पीएसजी का साथ, खुद दी जानकारी

पेरिस सेंट-जर्मेन से खेलने वाले 24 वर्षीय काइलियन एम्बाप्पे क्लब के साथ अपने अनुबंध को दोबारा साइन नहीं करेंगे। अब किलियन एम्बाप्पे ने क्लब के साथ अपने रास्ते जुदा कर लिए है। वह अनुबंध में एक साल के विकल्प का उपयोग करने की योजना नहीं बना रहा है। किलियन एम्बाप्पे का पीएसजी के साथ अनुबंध अगले सत्र में समाप्त हो जाएगा। मगर अब इस अनुबंध को वो रिन्यू नहीं करेंगे। इसकी जानकारी खुद एम्बाप्पे ने क्लब को भी दे दी है। बता दें कि इससे पहले किलियन एम्बाप्पे मैड्रिड के लिए खेलते थे मगर उन्होंने मैड्रिड के लिए खेलना छोड़ा। इसके साथ ही उन्होंने दो वर्षों के लिए पेरिस के क्लप पीएसजी के साथ खेलना चुना था। वहीं अब उन्होंने ये साफ कर दिया है कि वर्ष 2024 से अधिक वो क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट नहीं बढ़ाएंगे। इसके बाद वो फ्रांस के क्लब के साथ काम नहीं करेंगे। वहीं किलियन एम्बाप्पे किसी अन्य कल्ब के साथ काम करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

इस क्लब का अपना सकते हैं साथ

एम्बाप्पे पीएसजी के साथ अपने अनुबंध को नहीं बढ़ाने की स्थिति में रियल मैड्रिड समेत कई लोगों के साथ अलग ही व्यवहार करते हुए सभी को चौंका दिया है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले मैड्रिड और एम्बाप्पे के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। संभावना थी कि एम्बाप्पे मैड्रिड के साथ जुड़ेंगे मगर दोनों के बीच संबंध ठीक नहीं थे। वहीं अब क्लब को उम्मीद है कि किलियन उनका साथ देंगे। जानकारी है कि दोनों के बीच इस संबंध में बातचीत भी चल रही है।

ऐसा रहा है किलियन एम्बाप्पे का करियर

फ्रांस की टीम के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने फीफा विश्व कप के दौरान धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी को चौंकाया था। इसके बाद वो पेरिस सेंट जर्मन के साथ शामिल हुए थे। उन्होंने यूईएफए चैंपियंस लीग में पीएसजी के लिए 31वां गोल भी किया था। वो अब तक छह सीजन के खेल के दौरान क्लब के लिए 260 मैच खेल चुके हैं और 212 गोल कर चुके है।

बीसीसीआई नहीं चाहता था विराट टेस्ट कप्तानी छोड़ें : गांगुली

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि विराट कोहली के टेस्ट कप्तानी छोड़ने का कारण वही बता सकते हैं। कोहली ने जिस समय कप्तानी छोड़ी थी, उस समय गांगुली ही बीसीसीआई अध्यक्ष थे और दोनो के बीच मतभेद की बातें भी सामने आयीं थीं। गांगुली ने कहा, बीसीसीआई विराट कोहली के टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने पर सहमत नहीं था। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद उनका ये फैसला हमारे लिए अप्रत्याशित था। विराट ने कप्तानी क्यों छोड़ी, वे ही इस बारे में बता सकते हैं हालांकि इस बारे में बात करने का अब मतलब नहीं है क्योंकि कोहली के टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद चयनकर्ताओं को नये कप्तान का चयन करना था। ऐमें में सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर रोहित शर्मा को कप्तानी दी गयी।

वहीं कप्तान बदलने का भी कुछ खास लाभ नहीं हुआ क्योंकि रोहित भी आईसीसी टूर्नामेंट में अब तक असफल रहे हैं। टी20 विश्वकप के बाद टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी हार मिली.

गांगुली ने कहा कि मैं चाहता हूं कि रोहित निडर होकर टीम का नेतृत्व करें। हमारे पास विश्व कप की तैयारी के लिए काफी समय है। टीम में रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह हैं. हालांकि बुमराह के फिट होने को लेकर अभी कोई नहीं जानता। गांगुली ने कहा कि टीम में मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज भी हैं। यह टीम जीतेगी।

भारतीय कप्तान बनने वाले हैं पिता, मैदान में जीत के बाद फैंस के साथ ऐसे शेयर की गुड न्यूज

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री जल्द ही पापा बनने वाले है। इस गुड न्यूज को सुनील छेत्री ने मैच में जीत हासिल करने के बाद मैदान पर खास अंदाज में दर्शकों के साथ साझा किया। इंटरकांटिनेंटल कप के दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने 12 जून को वनुआतु को 1-0 से मात दी। इस मुकाबले में इकलौता गोल सुनील छेत्री ने किया, जिसकी बदौलत भारतीय टीम का फाइनल का टिकट पक्का हुआ। भारतीय टीम इस पूरे मकुाबले के दौरान वनुआतु की टीम पर हावी रही। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 164 वें स्थान पर काबिज वनुआतु को मात दी है। इस मुकाबले में सुनील छेत्री ने 81वें मिनट पर गोल किया और टीम को जीत दिलाई। इस मुकाबले के दौरान सुनील छेत्री ने गेंद को अपने जर्सी में छिपा लिया। उन्होंने स्टेडियम में मौजूद अपनी पत्नी को देखते हुए खास अंदाज में जश्न मनाया। वहीं जिस तरह से छेत्री ने मैदान पर जश्न मनाया उससे उन्होंने बता दिया है कि वो पिता बनने के लिए बेहद उत्साहित है।

विंडीज दौरे में पुजारा और उमेश की जगह यशस्वी और मुकेश को मिल सकता है अवसर

-टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए रिंकू, जितेश व मोहित को जगह मिलना तय

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम की हार के बाद अब दो अनुभवी क्रिकेटरों चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव का टीम से बाहर होना तय है। पुजारा और उमेश लंबे समय से लय में नहीं है और इनकी उम्र भी बढ़ रही है। ऐसे में इन क्रिकेटरों की जगह पर युवा खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को अगले माह होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में जगह मिलना तय माना जा रहा है। माना जा रहा है कि अनुभवी खिलाड़ियों की बढ़ती उम्र और खराब प्रदर्शन को देखते हुए चयन समिति भविष्य के मुश्किल दौरों के लिए खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहती है। भारतीय टीम का वेस्टइंडीज दौरा एक महीने का होगा। इस दौरे की शुरुआत 12 जुलाई से दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से होगी। टीम इसके बाद तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला भी खेलेगी जिसमें हार्दिक पंड्या की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों की टीम मैदान में उतरेगी। इस टीम में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों रिंकू सिंह और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को अवसर मिलना तय माना जा रहा है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में लगातार दूसरी हार के बाद इस बात की काफी संभावना है कि चयन समिति और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अगले डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए कुछ विकल्पों पर जरुर ध्यान देंगे।

चयन समिति के पूर्व सदस्य देवांग गांधी ने कहा, ''आपको संतुलन बनाना ही होगा। चयन और टीम से बाहर होना एक प्रक्रिया है लेकिन आपको युवाओं और अनुभव के मिश्रण की आवश्यकता है। टीम संयोजन में आपको लंबी योजना के साथ आगामी दो साल के चक्र को भी देखना होगा। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि यशस्वी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। उसने रणजी, ईरानी और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक बनाया है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप के लिए टीम चयन के लिए चयनकर्ताओं के पास विकल्प की कोई कमी नहीं होगी। अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले इस प्रारूप में हार्दिक पंड्या का कप्तान रहना लगभग तय है। टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को

मौका मिलेगा जिसमें रिंकू और जितेश जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलना लगभग तय है। टीम में रुतुराज गायकवाड़ की वापसी के साथ ही यशस्वी और आईपीएल में शानदार गेंदबाजी करने वाले मोहित शर्मा को भी अवसर मिल सकता है।

जॉब के बदले कैश, रेल मंत्री ने लिखवाई जमीन, पीएम मोदी के निशाने पर लालू

- पीएम मोदी ने 70 हजार युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र
- हमने भाई-भतीजावाद को किया खत्म

राजेश अलख

नई दिल्ली, 13 जून । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकारी नौकरियों में नियुक्तियों में 'भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार' को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को 'परिवारवादी' राजनीतिक दलों पर निशाना साधा और कहा कि देश अब यह तय करेगा कि 'रेट कार्ड' के जरिए उन्हें लूटने वाले' दलों के भरोसे नौजवानों का भविष्य आगे बढ़ेगा या फिर वह वर्तमान सरकार के 'सेफ गार्ड' (सुरक्षित हाथों में) में पनपेगा।

रोजगार मेले के तहत 70,126 नव-नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उन्हें संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवारवादी दलों ने भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देकर युवाओं के सपनों को 'चूर-चूर' किया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार उनके संकल्पों को साकार करने में लगी है। उन्होंने कुछ दलों पर देश में संघर्ष और विभाजन फैलाने के लिए भाषा का इस्तेमाल हथियार के रूप में करने का भी आरोप लगाया और कहा कि इसके विपरीत उनकी सरकार ने इसका इस्तेमाल रोजगार पैदा करने और लोगों को सशक्त बनाने के लिए किया है।

प्रधानमंत्री ने हालांकि इस दौरान किसी का नाम नहीं लिया लेकिन उनका इशारा पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस की ओर था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर भाजपा ने विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए 'रेट कार्ड' तय करने के आरोप लगाए हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता लालू प्रसाद पर भी निशाना साधते हुए कहा कि एक पूर्व रेल मंत्री पर नौकरियों के बदले गरीब किसानों की जमीन अपने नाम करवाने के लिए आपराधिक मामला चल रहा है।

मोदी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पहले एक से डेढ़ साल लगते थे, लेकिन अब यह पारदर्शी रूप से कुछ महीनों में पूरी हो जाती है। उन्होंने कहा, एक तरफ परिवारवादी पार्टियां हैं, भ्रष्टाचार करने वाली पार्टियां हैं, देश के नौजवानों को लूटने वाली पार्टियां हैं... उनका रास्ता है 'रेट कार्ड'... जबकि हम युवाओं के भविष्य को 'सेफ गार्ड' करने का काम कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि 'रेट कार्ड' युवाओं के सपनों को चूर-चूर कर देते हैं जबकि केंद्र की वर्तमान सरकार उनके संकल्पों को साकार करने में लगी है। उन्होंने कहा, हम आपकी और आपके परिवार की सभी इच्छाओं और आकांक्षाओं को 'सेफ गार्ड' करने में लगे हैं। अब देश तय करेगा देश के नौजवानों का भविष्य रेट कार्ड के भरोसे चलेगा कि सेफ गार्ड व्यवस्था के अंदर सुरक्षित तरीके से पनपेगा।

केंद्र सरकार के रोजगार अभियान को पारदर्शिता और सुशासन का प्रमाण बताते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 'परिवारवादी' राजनीतिक दलों ने हर व्यवस्था में भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दिया और जब सरकारी नौकरी की बात आती थी तो वे भ्रष्टाचार ही करते थे। उन्होंने कहा, देश के करोड़ों लोगों के साथ इन पार्टियों ने विश्वासघात किया है। हमारी सरकार पारदर्शिता भी लाई है और हमने भाई-भतीजावाद को भी खत्म किया है।

मोदी ने कहा कि रोजगार मेले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों की पहचान बन गए हैं। उन्होंने कहा, सरकारी नौकरी देने वाले प्रमुख संस्थानों-संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने पहले के मुकाबले ज्यादा युवाओं को नौकरी दी हैं। इन संस्थाओं का जोर परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाने पर भी रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों ने लोगों को भाषा के नाम पर एक-दूसरे से भिड़ाने और देश को तोड़ने का काम किया लेकिन उनकी सरकार भाषा को लोगों को रोजगार देने का माध्यम बना रही है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी को अपना सपना पूरा करना हो तो कोई भी भाषा उसके सामने दीवार ना बने। भारत सरकार आज जिस तरह मातृभाषा में भर्ती व प्रवेश परीक्षाओं पर जोर दे रही है उसका भी सर्वाधिक लाभ युवाओं को मिल रहा है। क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा होने से युवाओं को आसानी से अपनी योग्यता साबित करने का अवसर मिला है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को लेकर जितना विश्वास और उसकी अर्थव्यवस्था पर जितना भरोसा आज है, वह पहले कभी नहीं रहा। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया हमारी विकास यात्रा में साथ चलने को तत्पर है। भारत को लेकर विश्वास और हमारी अर्थव्यवस्था पर इतना भरोसा पहले कभी नहीं रहा। तमाम कठिनाइयों के बावजूद भारत अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। विश्व की बड़ी बड़ी कंपनियां उत्पादन के लिए भारत आ रही हैं।

मोदी ने कहा कि वैश्विक मंदी, कोरोना महामारी और यूक्रेन-रूस युद्ध के बावजूद भारत अपनी अर्थव्यवस्था को नयी ऊंचाई पर ले जा रहा है। उन्होंने कहा, आज भारत एक दशक पहले की तुलना में ज्यादा स्थिर, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा मजबूत देश है। राजनीतिक भ्रष्टाचार, योजनाओं में गड़बड़ी और जनता-जनार्दन के धन का दुरूपयोग... पुरानी सरकारों में यही पहचान बन गई थी लेकिन आज भारत सरकार की पहचान स्थिर सरकार, उसके निर्णायक फैसलों से हो रही है। आज भारत सरकार की पहचान उसके आर्थिक और प्रगतिशील सामाजिक सुधारों से हो रही है। रोजगार मेले का आयोजन

देशभर में 43 जगहों पर हुआ। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में भी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गई हैं।

नए कर्मचारियों को वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखापरीक्षा और लेखा विभाग और गृह मंत्रालय सहित विभिन्न विभागों में नियुक्त किया गया है। नव नियुक्त कर्मचारियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर 'कर्मयोगी प्रारंभ' ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिल रहा है। यहां 400 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम कहीं भी, किसी भी उपकरण पर अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं।

सिक्किम पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्षा पवित्र भंडारी विभागीय अधिकारियों के साथ राजभवन में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात करती हुईं। मुलाकात के दौरान राज्य के पिछड़ा वर्ग के लोगों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

सिटिजन एक्शन पार्टी ने निर्मला सीतारमण व गजेन्द्र सिंह शेखावत से की मुलाकात

सिक्किम के विभिन्न मुद्दों को लेकर की चर्चा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 13 जून । सिटीजन एक्शन पार्टी (सीएपी) सिक्किम के अध्यक्ष एलपी काफ्ले ने पार्टी उपाध्यक्ष (राष्ट्रीय समन्वय) लाक्पा शेरपा के साथ सोमवार को देश की राजधानी नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान इन नेताओं ने केंद्रीय मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा।

सीएपीएस उपाध्यक्ष लाक्पा शेरपा ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस मुलाकात के दौरान सिटीजन एक्शन पार्टी सिक्किम ने केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष वित्त अधिनियम 2023 में सिक्किमी परिभाषा के विस्तार पर मुद्दा उठाया और इस पर फिर से विचार करते हुए सिक्किमी परिभाषा की यथास्थिति बनाए रखने पर जोर दिया। वहीं, इस दौरान सीएपीएस की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री को इस मामले के संबंध में एक ज्ञापन सौंपकर सिक्किम के पुराने बसने वालों को अलग श्रेणी में शामिल करने और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (26एएए) के खंड 4 और 5 को हटाने का अनुरोध किया।

इसके अलावा, सीएपीएस नेताओं ने केंद्रीय वित्त मंत्री को राज्य में पूर्ण वित्तीय अनुशासनहीनता के साथ राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम का पालन न किये जाने के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसे में सिक्किम ऋण के मकडज़ाल की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सीएपीएस की ओर से केंद्रीय मंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर सिक्किम को आर्थिक संकट से बचाने का अनुरोध किया गया है।

दूसरी ओर, सिटीजन एक्शन पार्टी सिक्किम के नेताओं ने केंद्रीय जल शक्ति, नदी पुनर्विकास व गंगा संरक्षण मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भी उनके कार्यालय में जाकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने उनके समक्ष सिक्किम में चल रही केंद्रीय जल जीवन मिशन परियोजना से संबंधित मुद्दों को रखा।

सीएपीएस नेता शेरपा के अनुसार, अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान उन्होंने केंद्रीय जनजातीय मंत्री को भी एक ज्ञापन सौंपा और सिक्किम के 12 समुदायों को अति आवश्यक आधार पर आदिवासी का दर्जा देने का आग्रह किया। इसके अलावा, एलपी काफ्ले और लाक्पा शेरपा ने केंद्रीय गृह मंत्रालय का भी दौरा कर राज्य विधान सभा में लिंबू-तमांग सीट आरक्षण नेपाली समुदाय के लिए सीट बहाली के मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा।

बंगाल में पिछड़ा वर्ग का आरक्षण छीन देशद्रोही ताकतों को दिया जा रहा बढ़ावा : जेपी नड्डा

बिलासपुर, 13 जून (एजेन्सी)। बंगाल में ओबीसी के कोटे और उनके आरक्षण को ममता सरकार खुलेआम मुस्लिम तुष्टिकरण की भेंट चढ़ा रही हैं। पिछड़े वर्ग के लोगों को उनके जायज हक से वंचित रख रही हैं। ममता सरकार ने पिछड़ा वर्ग का आरक्षण छीन कर देशद्रोही ताकतों को बढ़ावा दिया है। यह बात बिलासपुर परिधि गृह में पत्रकारों को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कही। नड्डा ने कहा कि यह जानकर हैरानी होगी कि बंगाल में 91.5 फीसदी आरक्षण का लाभ मुस्लिम ओबीसी के लोगों को दिया गया है।

अन्य लोगों को उनका हक अभी तक नहीं दिया है। बंगाल में कुल ओबीसी की 179 जातियों को आयोग की ओर से दर्ज किया गया है। इसमें से 118 मुस्लिम समुदाय की जातियों को इसमें शामिल कर दिया गया है। इस तरह से बांग्लादेशी घुसपैठ और रोहिंग्या को प्रमाण पत्र देकर जातिगत आरक्षण का लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है। यह घुसपैठियों को सीधा लाभ देने का गंभीर षड्यंत्र है। 2011 से पहले बंगाल में ओबीसी की 108 जातियां शामिल थीं।

इनमें से 53 मुस्लिम और 55 हिंदुओं की जातियां थीं। ममता सरकार ने 71 नई जातियों को इस सूची में जोड़ा। इसमें 65 मुस्लिम और केवल 6 हिंदू जातियां हैं। बंगाल की जनसंख्या में 70.5 फीसदी हिंदू है और 27 फीसदी मुस्लिम, पर मुस्लिमों को ओबीसी आरक्षण के अंतर्गत 91.5 फीसदी का लाभ प्रदान किया जा रहा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की एक रिपोर्ट में यह आंकड़े सामने आए हैं।

नड्डा ने तंज कसते हुए कहा कि इन विपक्षी दलों के हाथी के दांत हैं जो दिखाने के अलग और खाने के अलग होते हैं। हैरानी का विषय यह है कि बिहार में ओबीसी के भाइयों को प्रमाण पत्र तक नहीं दिए जा रहे हैं। पंजाब में 25 फीसदी ओबीसी का आरक्षण है और लाभ केवल 12 फीसदी ओबीसी लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ओबीसी आयोग को इन सभी तथ्यों की उचित जांच करनी चाहिए।

ममता को हाईकोर्ट से झटका, पंचायत चुनावों में सेंट्रल फोस की तैनाती का दिया आदेश

कोलकाता, 13 जून (एजेन्सी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आठ जुलाई को होने वाले पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का मंगलवार को आदेश दिया। अदालत ने नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने का फैसला राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के विवेक पर छोड़ दिया। मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने एसईसी को पंचायत चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल के पुलिस बल के साथ मिलकर काम करने के वास्ते केंद्रीय बलों की मांग करने को कहा।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता, जिसकी अंतिम तिथि 15 जून है। पीठ में न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि समय बढ़ाने का फैसला एसईसी को करना है और वह इस मामले में निर्णय लेने के लिए सक्षम है।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव का ऐलान कर दिया गया है। पश्चिम बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजीव सिन्हा बताया कि ग्राम सभाओं के लिए चुनाव एक ही दिन में होंगे और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 जून होगी। सिन्हा ने बताया, पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 जून है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 20 जून है। मतों की गिनती 11 जुलाई को होगी।

पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने को लेकर जारी हिंसा और झड़पों के बीच सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को विपक्षी दलों पर हार के डर से चुनाव में देरी करने और राज्य की छवि धूमिल करने के लिए साठगांठ करने' का आरोप लगाया। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने आरोप लगाया कि उनके उम्मीदवारों को टीएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न जिलों में नामांकन पत्र जमा करने से रोका गया है।

विपक्षी दलों ने कहा कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बिना यहां शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव होना असंभव है। विपक्षी दलों ने राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) पर टीएमसी का पक्ष लेने और उसके मुखौटा संगठन' के रूप में काम करने का आरोप लगाया। एसईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अज्ञात उपद्रवियों ने विपक्षी दल के नेताओं पर तब हमला किया, जब वे पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे थे। एसईसी के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दासपुर, दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप, मुर्शिदाबाद जिले के रानीनगर, पूर्वी बर्धमान जिले के शक्तिनगर और बरशूल और उत्तरी 24 परगना जिले के मिनाखान में झड़पों की सूचना मिली है।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, तथ्य यह है कि विपक्षी दल भाजपा, माकपा और कांग्रेस, पंचायत चुनावों में हार के डर से और सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने में असमर्थता की वजह से चुनाव में देरी करने की कोशिश कर रहे हैं। हम उन्हें चुनौती देते हैं कि वे सभी सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित करें। राज्य के वरिष्ठ मंत्री शशि पांजा ने कहा कि विपक्षी दल हार की डर से बेबुनियाद आरोप लगाकर ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

टीएमसी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, विपक्षी दल भाजपा ने कहा कि केंद्रीय बलों के बिना बंगाल में शांतिपूर्ण पंचायत चुनाव असंभव है। भाजपा के

प्रवक्ता समिक भट्टचार्य ने कहा, एसईसी टीएमसी के एक मुखौटा संगठन की तरह काम कर रहा है। केंद्रीय बलों की तैनाती के बिना पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं हैं। टीएमसी इस पंचायत चुनाव को 2018 की तरह ही एक तमाशा में बदलना चाहती है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग अपना वोट तभी डाल सकते हैं जब यहां केंद्रीय बल तैनात हों। उन्होंने कहा, टीएमसी सिर्फ जनता के जनादेश को लूटना चाहती है, और एसईसी और राज्य पुलिस सिर्फ उसके मुखौटा संगठनों के रूप में काम कर रहे हैं। राज्य में त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली में लगभग 75,000 सीटों के लिए आठ जुलाई को मतदान होंगे तथा शुक्रवार को शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया 15 जून तक चलेगी।

सेबी का बड़ा ऐलान, सारदा समूह की 61 संपत्तियां होंगी नीलाम

कोलकाता, 13 जून (एजेन्सी)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि वो सारदा समूह के 61 भूखंडों की नीलामी करेगा। नीलामी से प्राप्त रकम को ठगी के शिकार हुए निवेशकों में बांट दिया जाएगा, जिन्होंने मल्टी-लेवल मार्केटिंग स्कीम्स में अपनी गाढ़ी कमाई गंवाई है।

इससे जुड़ा नोटिफिकेशन सेबी ने सोमवार को जारी किया, जिसकी एक कॉपी आईएएनएस के पास है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, न्यायमूर्ति एसपी तालुकदार की एक सदस्यीय समिति के निर्देश के बाद सेबी नीलामी की व्यवस्था कर रहा है।

क्विकर रियलिटी लिमिटेड को सेबी द्वारा उल्लिखित संपत्तियों की बिक्री में सहायता देने की जिम्मेदारी दी गई है। मेसर्स सी-वन इंडिया को ई-नीलामी प्रदाता के रूप में नियुक्त किया गया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और ई-नीलामी क्विकर रियलिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर ई-ऑक्शन कैटेगरी में की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता को संपत्ति के दस प्रतिशत की राशि को जमा करना होगा। संपत्तियों की बिक्री के लिए ईएफटी, एनईएफटी, आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है।

सेबी ने 61 भूखंडों की लिस्ट भी सौंपी है। जिसमें अधिकांश पश्चिम बंगाल में हैं। भूखंडों की अनुमानित मूल्य 25 करोड़ रुपए है, जो नीलामी की बेस प्राइस के रूप में तय किया गया है। बता दें कि 2012 में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार लेफ्ट फ्रंट के 34 सालों के शासन को खत्म करके सत्ता में आई थी। इस दौरान पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड पोंजी स्कीम सामने आई। जिसमें सारदा और रोज वैली ग्रुप प्रमुख थे। पोंजी स्कीम मामले में टीएमसी के कई दिग्गज नेताओं, सुदीप बंदोपाध्याय, मदन मित्रा और दिवंगत तापस पाल, को भी केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया था।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
उत्तर 24 परगना निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के श्री संजीब रॉय ने 11.04.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 57J 09210 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''डियर लॉटरी से एक करोड़ रुपए पुरस्कार राशि जीतना मेरे जीवन में एक आश्चर्य बन गया है। मुझे एक करोड़पति बनाने के लिए डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज के प्रति मेरे हृदय से धन्यवाद है। यह केवल कुछ रुपए खर्च करने के द्वारा ही हो गया है।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com